भाद्रपद शुक्ल - 11 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 52 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 14-09-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 हिमाचल में हिंदुओं की एकजुटता से वक्फ बोर्ड को झुकना पड़ा : गिरिराज

6 राष्ट्रभाषा हिंदी और मातृभाषा में शिक्षा समय की मांग

फर्स्ट टेक

भारत ने किया हल्के टैंक 'जोरावर' का सफल परीक्षण

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को हल्के टैंक 'जोरावर' का प्रारंभिक ऑटोमोटिव परीक्षणों को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस लडाकू वाहन को चीन के साथ सीमा पर सेना की लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विकसित किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि टैंक ने असाधारण प्रदर्शन किया तथा इसने रेगिस्तानी इलाके में आयोजित क्षेत्रीय परीक्षणों के दौरान सभी इच्छित उद्देश्यों को कुशलतापूर्वक पूरा किया।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हिंदी सीखिए

निज भाषाओं को सब सीखे,
बोलें पढ़ें करें सब बोध।
पर दूजे भाषा-भाषी पर,
व्यर्थ कर रहे कुछ दल क्रोध।
हिन्दी हो सम्पर्क की भाषा,
इसका क्यों कर रहे विरोध।
कारण केवल वोट सियासत,
जन-मन चाहे कर ले शोध।।

उच्चतम न्यायालय द्वारा जमानत मिलने के बाद केजरीवाल तिहाड़ जेल से रिहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद अपनी पहली टिप्पणी में कहा कि वह देश को कमजोर करने के लिए काम कर रही ''राष्ट्र विरोधी'' ताकतों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जेल में रहने से उनका हौसला और मजबूत हुआ है।

केजरीवाल को आबकारी नीति 'घोटाला' मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने के कुछ घंटे बाद शुक्रवार शाम तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया। जेल से बाहर निकलने पर आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं तथा समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

नीली कमीज पहने केजरीवाल ने एक वाहन से समर्थकों को संबोधित करते हुए इंकलाब जिंदाबाद और वंदे मारतम जैसे नारे लगाए। उन्होंने कहा, ''ये राष्ट्र विरोधी ताकतें जो देश को कमजोर करने, इसे बांटने की कोशिश कर रही हैं... मैंने हमेशा उनके खिलाफ लड़ाई लड़ी है और आगे भी उनके खिलाफ लड़ाई जारी रखूंगा।''

उन्होंने भारत माता की जय का नारा लगाया।

केजरीवाल ने चंदगीराम अखाड़े से अपने आधिकारिक आवास तक रोड शो किया और कहा कि देश एक नाजुक दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, ''देश एक नाजुक दौर से गुजर रहा है। देश महत्वपूर्ण है, केजरीवाल नहीं। कुछ राष्ट्र विरोधी ताकतें देश को कमजोर करने और बांटने की कोशिश कर रही हैं।

'राष्ट्रवाद से समझौता नहीं किया जाना चाहिए'

भारत को कोई सुई भी चुभेगी,तो 140 करोड़ लोगों को दर्द होगा : धनखड़

नई दिल्ली/एजेन्सी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्र को स्वहित और राजनीतिक मतभेदों से ऊपर रखने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि किसी भी स्थिति में राष्ट्रवाद से समझौता नहीं किया जाना चाहिए और शत्रुओं को प्रोत्साहन नहीं देना चाहिए।

धनखड़ ने राजस्थान के अजमेर में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी हालत में दुश्मन के हित को प्रोत्साहन नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा, दुखद विषय है, चिंता का विषय है, चिंतन का विषय है, मंथन का विषय है कि अपने में से कुछ भटके हुए लोग संविधान की शपथ के बावजूद भारत मां को पीड़ा दे रहे हैं। राष्ट्रवाद के साथ समझौता कर रहे हैं। राष्ट्र की

परिकल्पना को समझ नहीं पा रहे हैं। पता नहीं कौन से स्वार्थ को ऊपर रख कर भारत मां को लहुलुहान करना चाहते हैं। हमारे भारत को कोई सुई भी चुभेगी, तो 140 करोड़ लोगों को दर्द होगा।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि हर भारतीय देश के बाहर कदम रखता है तो वह भारतीय राष्ट्रवाद का राजदूत है। भारतीय संस्कृति का राजदूत है। इसको पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रतिपक्ष के नेता के रूप में प्रमाणित किया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री दूसरे दल के थे, कांग्रेस पार्टी के थे, नरसिम्हा राव जी थे, भारत का नेतृत्व विदेश में एक महत्वपूर्ण संवेदनशील मुद्दे पर, कश्मीर से जुड़े मुद्दे पर अटल बिहारी वाजपेयी ने किया वह प्रतिपक्ष के नेता थे।

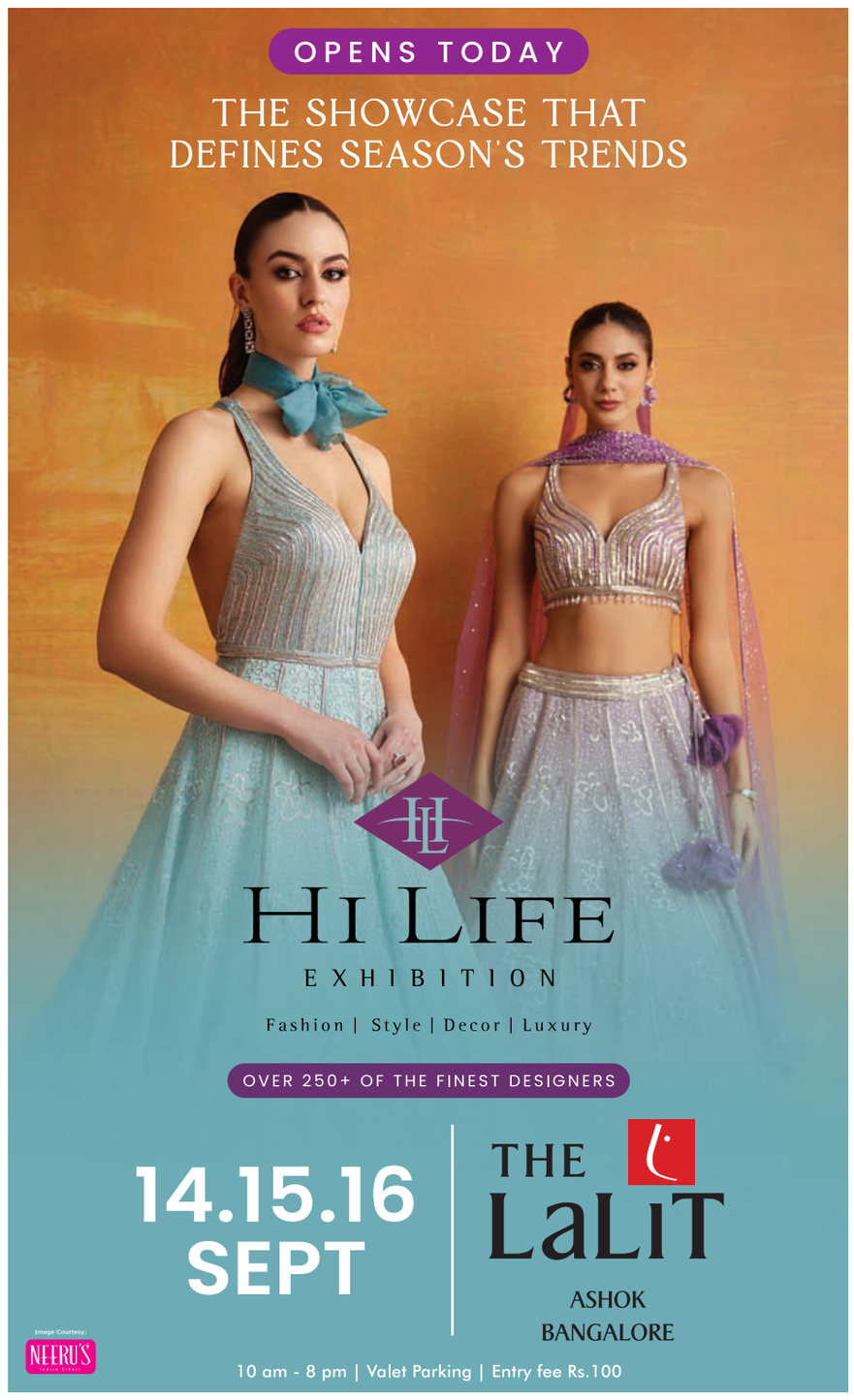

बधाई.....आभार.....अनुमोदना.....

उदारमना जीवदयाप्रेमी, भामाशाह, दानवीर
श्रीमान रणजीतमलजी, जितेन्द्रकुमारजी,
आगमकुमारजी कानूंगा परिवार (गढ सिवाना) के
प्रस्तावित जैन रिसोर्ट
में एक ब्लॉक के नामकरण का लाभ
लेने तथा
पर्युषण महापर्व दौरान दि. 31 अगस्त से
8 सितम्बर 2024 तक चौविहार चौके में
चौविहार भोजन, एकासणा, बियासणा का
अपूर्व लाभ लेंने पर खूब खूब
अनुमोदना, बधाई एवं आभार
अभिनंदनकर्त्ता
श्री गोडवाड भवन जैन ट्रस्ट, बेंगलूरु

गढ सिवाना निवासी श्रीमती लीलादेवी-रणजीतमलजी कानूंगा,
हेमादेवी-जितेन्द्रकुमारजी, आगमकुमारजी, सुश्री यत्नाकुमारी कानूंगा
पुत्री-जमाई : नीतू-प्रमोदजी छाजेड दोहिता : दक्ष छाजेड
बेटा पोता श्रीमती पानीदेवी - श्री मानमलजी कानूंगा परिवार

भव्य भूमिपूजन एवं खनन मुहूर्त्त

शनिवार, दि. 14 सितम्बर 2024 प्रात: 11.00 बजे से

जैन रिसोर्ट

Sy. No. 93/2, Hurulagurki Village, Vijayapura Hobli, Devanahalli ,
Bangalore Rural District, Landmark : Nagarjuna College के सामने
श्री गोडवाड भवन जैन ट्रस्ट (रजि.) द्वारा संचालित संपूर्ण जैन समाज के सहयोग से 7 एकड के विशाल भूखंड पर नंदी हिल की गोद में बनने जा रहे प्रस्तावित जैन रिसोर्ट के भूमि पूजन एवं खनन मुहूर्त्त प्रसंगें

भूमिपूजन लाभार्थी
श्रीमती पवनबेन फूलचंदजी करबावाला (मांडोत)
: पुत्र-पुत्र वधू :
साधना-नरेन्द्रजी, सविता-अशोकजी, रेखा-संजीवजी
: पौत्र-प्रपौत्र-वधू :
शैफाली-अभिषेक, अक्षत, चारवी, त्रिवा करबावाला
: पुत्री-दामाद :
रेशमा-आनंदजी बंदामुथा, पूजा-महावीरजी इसराणी
रिया-श्रेयांशजी मूथा, दीक्षा-अक्षितजी डागा
: दोहित्रा : कुणाल-रुपल, गौरव बंदामुथा
: दिव्य आशीष :
डालचंदजी, सजनाबाई, फूलचंदजी, चिराग करबावाला
: फर्म : सादडी-राणकपुर
लक्ष्मी फैशन्स • लक्ष्मी सिल्कस्

खनन विधान लाभार्थी
मातुश्री पानीबाई मानमलजी कानूंगा के दिव्य आशीष से
ललितकुमारजी-सिद्धिकादेवी
: पुत्र-पुत्र वधू :
आशीषकुमारजी-रक्षादेवी,
श्रेणिककुमारजी-डॉलीदेवी
: पौत्र-पौत्री :
विआन, आध्या एवं कानूंगा परिवार
(गढ सिवाना - बेंगलूरु)
पुत्री-दामाद : प्रीति-सुमितकुमारजी सालेचा
दोहित्र : मयन सालेचा
: फर्म : आशीष मेटल्स, बेंगलुरु
इंडियन मनी एंड कानूंगा वैंचर्स एलएलपी

समस्त धर्मप्रेमी सादर आमंत्रित है ।
कार्यक्रम स्थल पर नाश्ता एवं भोजन की व्यवस्था रखी गई है ।

निवेदक
श्री गोडवाड भवन जैन ट्रस्ट, बेंगलूरु

दिलीप सुराणा अध्यक्ष
निशांत रांका प्रोजेक्ट चेयरमैन
विक्रम करबावाला महामंत्री
भंवरलाल करबावाला उपाध्यक्ष
ललितकुमार तलेसरा उपाध्यक्ष
प्रवीणकुमार सोनीगरा उपाध्यक्ष
रमेशकुमार चांदावत सहमंत्री
रंगराज हिंगड सहमंत्री
गौतम के. मेहता कोषाध्यक्ष
राजेशकुमार राठौड सहकोषाध्यक्ष

कार्यकारिणी सदस्य
कांतीलाल राठौड, अशोक करबावाला, हरिश सोलंकी, नवरतन पुनमिया, राकेश पुनमिया

QR CODE
SCAN ME
Scan for Location

गुरु दर्शन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में श्रावक श्राविकाओं का सौ सदस्यीय दल पांच दिवसीय गुरु दर्शन सेवा यात्रा के लिए बेंगलूरु से हुब्बल्ली रवाना हुआ। संघ अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया एवं मंत्री अभय कुमार बांठिया के नेतृत्व में संघ 2023 में अलसूर में चातुर्मास किए महासतीश्री प्रज्ञाश्री के दर्शन कर पूना में ज्ञानप्रभाजी, अहमदनगर में श्रुतमुनिजी, संभाजीनगर में प्रवीणऋषिजी, जालना समाधि, गंगापुर में धीरजकंवरजी व अंतरिक्ष पार्श्वनाथ के दर्शन कर दोडबल्लापुर में चातुर्मास कर रहे चंद्रयशजी म.सा. के दर्शन कर मंगलवार को बेंगलूरु लौटेगा।

ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं द्वारा तत्वज्ञान संबंधी मॉडल की प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में शहर की 16 ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं द्वारा जैन भूगोल, तत्वज्ञान, कालचक्र, छ जीवनीकाय आदि विषय पर बनाए गए मॉडल की प्रस्तुति तेरापंथ सभा भवन में हुई। साध्वी श्री उदितयशाजी ने प्रशिक्षिकाओं के श्रम की सराहना की एवं कहा कि इस प्रकार के आयोजन से ज्ञान का विकास तो होता ही है साथ में कर्म निर्जरा भी होती है।

साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने प्रशिक्षिकाओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। ज्ञानशाला के आंचलिक संयोजक माणक संचेती ने ज्ञानशाला संबंधी जानकारी प्रदान की। महासभा से सदस्य प्रकाश लोढा ने भी प्रशिक्षिकाओं के श्रम की सराहना की। सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, युवक परिषद अध्यक्ष विमल धारीवाल, मंत्री राकेश ज्ञानशाला, आंचलिक सहसंयोजक रजत बैद उपस्थित थे। संचालन नीता गादिया ने किया। मंत्री विनोद छाजेड़ ने धन्यवाद दिया। टेक्नोलॉजी के माध्यम से पावर पॉइंट प्रस्तुति में शीला सियाल ने सहयोग दिया।

कलेवर बचा, धर्म-आध्यत्म कहीं छूट गया : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

आचार्य हीरविजयसूरी की पुण्यतिथि व आचार्य पद्मसागरसूरीश्वर की जयंती कार्यक्रम आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धर्म और अध्यात्म तो शांति का कारक है, जबकि आज चारों तरफ दुर्भावना, अशांति और वैमनस्य दिखाई दे रहा है। इसका इतना ही अर्थ है कि मात्र कलेवर हाथ में बचा हैं, धर्म-अध्यात्म कहीं पीछे छूट गया है। मुर्दों को ढोकर जीवन की परिकल्पना कैसे हो सकती है? दुर्भावना, द्वेष, हिंसा, हत्या आदि विकृतियां तो धर्म-अध्यात्म के दायरे में कहीं नहीं आती, जबकि आज बोलबाला इन्हीं का हैं। इन विकृतियों के बीच मानवता को जिंदा रखना असंभव है। लेकिन धर्मान्धों को समझाये कौन ? इन विषम परिस्थितियों में मनुष्य के जीवन का कोई मूल्यांकन भी सिद्ध नहीं होता। आने वाले दस वर्ष इस पृथ्वी के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि धर्म-अध्यात्म की सही परिभाषाओं को समझकर मनुष्य आगे न बढ़ा तो व्यापक विनाश यह संसार देखेगा।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि साधना छोटी हो या बड़ी, जीवन के परिवर्तन का ध्येय सिद्ध होना चाहिए। पूजा-पाठ, व्रत-उपासना, तीर्थयात्रा, सामायिक, तपस्या, नमाज, हज, इबादत, प्रार्थना, कोई भी साधना-आराधना सिर्फ करने के लिए नहीं होती। धर्म-अध्यात्म का तत्व जीवन में संक्रामित होना चाहिए। आज तो लोग धर्म-संप्रदायों के नाम पर जोरशोर से दावे करते हैं। एक दूसरे से बढ़-चढ़कर दिखाने का प्रयास करते हैं। यह सब अपनी गृहीत मान्यताओं और उनके प्रतीकों को बचाने की चेष्टाएं मात्र हैं। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि आज चंचलदेवी लुंकड़ ने तीस दिन के उपवास की सुदीर्घ साधना का आखिरी प्रत्याख्यान ग्रहण किया। शनिवार को तपस्या की पूर्णाहुति करेंगी। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि शनिवार को अकबर प्रतिबोधक, जगद्गुरु आचार्य हीरविजयसूरीजी की 428वीं पुण्यतिथि और आचार्य पद्मसागरसूरीश्वर के 90 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। प्रातः 9.15 बजे गुरु गुणगौरव समारोह का आयोजन होगा। सैकड़ों साधक आयंबिल तप करेंगे। दोपहर ढाई बजे समभाव की सामूहिक साधना के रूप में सामायिक की जायेगी। सामायिक में स्वाध्याय, मंत्रजाप, ध्यान और प्रवचन का आयोजन होगा।

शुक्रवार को मागड़ी में विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया।

न्याय मिलने का भरोसा है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा उनकी एक याचिका पर सुनवाई पूरी किए जाने के पश्चात फैसला सुरक्षित रख लेने के एक दिन बाद शुक्रवार को कहा कि उन्हें न्याय मिलने का भरोसा है क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। सिद्दरामय्या की उक्त याचिका में मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में उनके खिलाफ अभियोग चलाने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई मंजूरी की वैधता को चुनौती दी गई है।

उन्होंने अपने खिलाफ लगे आरोपों को झूठा करार देते हुए कहा कि वह भविष्य में भी कोई गलत काम नहीं करेंगे और उनका जीवन एक खुली किताब है। सिद्दरामय्या पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा उनकी पत्नी को 14 भूखंडों के आवंटन में अनियमितता का आरोप लगाया गया है। सिद्दरामय्या ने कहा, ''...उन्हें (विपक्ष को) झूठ बोलने दीजिए, हम इसकी परवाह नहीं करेंगे। वे मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगा रहे हैं। मैं देश के कानून का सम्मान करता हूं, मैं अदालत के फैसले का सम्मान करता हूं, मुझे न्याय मिलने का भरोसा है, क्योंकि मैंने कोई गलत काम नहीं किया है।''

शहर के बाहरी इलाके मागड़ी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''मैंने कोई गलत काम नहीं किया है और न ही भविष्य में करूंगा। मुझे पहली बार 40 साल पहले मंत्री बना था, मेरा जीवन एक खुली किताब है, मैं यह बहुत स्पष्ट रूप से कह रहा हूं कि कोई भी इसे खोलकर देख सकता है।'' अदालत ने 19 अगस्त के अपने उस अंतरिम आदेश की अवधि भी बृहस्पतिवार को आगे बढ़ा दी, जिसमें विशेष जनप्रतिनिधि अदालत को निर्देश दिया गया था कि वह सिद्दरामय्या के खिलाफ शिकायतों की सुनवाई को इस याचिका के निपटारे तक टाल दे।

राज्यपाल ने प्रदीप कुमार एस.पी., टी.जे. अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों के लिए 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। सिद्दरामय्या ने 19 अगस्त को राज्यपाल के आदेश की वैधता को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था।

मुडा 'घोटाले' में, यह आरोप लगाया गया है कि सिद्दरामय्या की पत्नी बी एम पार्वती को मैसूरु के एक पॉश इलाके में मुआवजा प्लॉट आवंटित किया गया था, जिसका संपत्ति मूल्य उनकी भूमि की तुलना में अधिक था जिसे एमयूडीए द्वारा अधिग्रहित किया गया था। एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले में 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां एमयूडीए ने एक आवासीय योजना विकसित की थी। विवादास्पद योजना के तहत, एमयूडीए ने आवासीय योजना बनाने के लिए उनसे अधिग्रहित अविकसित भूमि के बदले में भूमि गंवाने वालों को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित की। कुछ विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने यह भी दावा किया है कि पार्वती के पास इस 3.16 एकड़ भूमि पर कोई कानूनी अधिकार नहीं था।

मागड़ी में नवनिर्मित बेंगलूरु मिल्क यूनियन मागड़ी के नए कैम्प (बामुल) कार्यालय का उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया। इस अवसर पर मंत्री केएन राजन्ना, बीजेड जमीर अहमद खान, मागड़ी विधानसभा क्षेत्र के विधायक और कर्नाटक सड़क विकास निगम के अध्यक्ष एचसी बालकृष्ण, गारंटी योजना कार्यान्वयन प्राधिकरण के अध्यक्ष एचएम रेवन्ना सहित कई नेता और अधिकारी उपस्थित थे।

सेबी प्रमुख, उनके पति ने कांग्रेस के आरोपों को गलत बताया, झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूंजी बाजार नियामक सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने अनियमितता बरतने और हितों के टकराव को लेकर कांग्रेस की तरफ से लगाए गए आरोपों से शुक्रवार को इनकार करते हुए कहा कि ये आरोप 'गलत, प्रेरित और साख बिगाड़ने' की कोशिश हैं।

बुच ने अपने खिलाफ लगे आरोपों का बिंदुवार खंडन करते हुए एक बयान में कहा कि 'तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने' की एक स्पष्ट परिपाटी उभरती हुई नजर आ रही है। उन्होंने इस मामले में उचित कानूनी कार्रवाई करने का भी संकेत दिया। बुच दम्पति ने एक संयुक्त बयान में कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप अवैध रूप से जुटाई गई जानकारी पर आधारित हैं जो कि गोपनीयता कानूनों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि आरोप मामले को गर्म रखने के इरादे से किस्तों में लगाए जा रहे हैं।

दम्पति ने छह पन्नों के इस बयान में कहा, अगर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर व्यक्तियों और संस्थाओं को बदनाम करने के बजाय सच्चाई तक पहुंचने का उद्देश्य होता तो हमें आश्चर्य होता है कि सभी आरोपों को एक बार में ही सार्वजनिक क्यों नहीं कर दिया जाता। तब हम एक बार में ही सभी तथ्य दे देते। यह बयान मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की तरफ से सेबी प्रमुख के खिलाफ लगाए गए कई आरोपों के बाद आया है। कांग्रेस ने माधबी पुरी बुच पर सेवानिवृत्ति के बाद भी आईसीआईसीआई बैंक से आय होने और वॉकहार्ट एसोसिएट्स से किराया मिलने जैसे आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने धवल बुच और उनकी दो कंपनियों- भारत में अगोरा एडवाइजरी और सिंगापुर में अगोरा पार्टनर्स की तरफ से दिए गए परामर्श कार्यों को लेकर भी आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि धवल बुच ने महिंद्रा समूह से 4.78 करोड़ रुपए उस समय अर्जित किए जब सेबी नियमों के उल्लंघन को लेकर उस कंपनी के खिलाफ जांच कर रहा था। इस पर बयान में कहा गया कि धवल ने माधबी को सेबी का प्रमुख नियुक्त किए जाने के पहले ही 2019 में महिंद्रा एंड महिंद्रा के साथ काम करना शुरू कर दिया था। बयान के मुताबिक, धवल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली से इंजीनियर हैं, उनके पास हिंदुस्तान यूनिलीवर के बोर्ड में कार्यकारी निदेशक के रूप में 35 वर्षों का अनुभव है और एक अग्रणी पेशेवर के रूप में उनकी 'अच्छी प्रतिष्ठा' है।

सीबीआईसी ने जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार बेंगलूरु सीजीएसटी अधिकारियों को निलंबित किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बेंगलूरु में कुछ सीजीएसटी अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जिन्हें शहर की पुलिस ने जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया था।

सीबीआईसी ने शुक्रवार को बताया कि बेंगलूरु ईस्ट क्षेत्र के बयप्पनहल्ली पुलिस थाने में एक व्यापारी द्वारा दर्ज अपहरण और जबरन वसूली की शिकायत के आधार पर बेंगलूरु नगर अपराध शाखा ने 11 सितंबर को केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में जीएसटी के निरीक्षक और वरिष्ठ खुफिया अधिकारी रैंक के कर्मचारियों के अलावा एक अधीक्षक रैंक का अधिकारी भी शामिल है।

सीबीआईसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बताया गया है कि बेंगलूरु में कुछ सीजीएसटी अधिकारियों ने कथित जबरन वसूली का सहारा लिया है। इसमें शामिल अधिकारियों को तुरंत निलंबित कर दिया गया है। सीबीआईसी ने कहा कि वह उन पुलिस अधिकारियों के संपर्क में है, जिन्होंने इन गिरफ्तार अधिकारियों को रिमांड पर लिया था। उसने कहा, मामले में जांच के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीबीआईसी पारदर्शी और व्यापार-अनुकूल कर प्रशासन स्थापित करने के प्रयास में आधिकारिक कदाचार के मामलों में शून्य-सहिष्णुता की नीति का पालन करता है।

हुब्बल्ली और पुणे के बीच त्रि-साप्ताहिक वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत

बेंगलूरु। भारतीय रेलवे ने हुब्बल्ली और पुणे के बीच त्रि-साप्ताहिक वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत की घोषणा से जो भारत के तेजी से बढ़ते रेलवे नेटवर्क में एक अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। नई ट्रेन संख्या 20669/20670 एसएसएस हुब्बल्ली-पुणे-एसएसएस हुब्बल्ली त्रि-साप्ताहिक वंदे भारत एक्सप्रेस दोनों शहरों के बीच कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए तैयार है।

इस प्रतिष्ठित वंदे भारत एक्सप्रेस की उद्घाटन यात्रा को प्रधानमंत्री द्वारा 16 सितंबर को वीडियो लिंक के माध्यम से हरी झंडी दिखाई जाएगी। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, एक विशेष सेवा (ट्रेन संख्या 02003) पुणे से एसएसएस हुब्बल्ली तक चलेगी, जो उसी दिन शाम 04:15 बजे पुणे से रवाना होगी और रात 11:40 बजे एसएसएस हुब्बल्ली पहुंचेगी। मार्ग में प्रमुख ठहरावों में शामिल हैं : मिराज (शाम 07:15/07:20 बजे), बेलगावी (शाम 09:00/09:10 बजे) और धारवाड़ (रात 11:05/11:10 बजे) होंगे। उद्घाटन विशेष ट्रेन में कुल 8 कोच होंगे।

18 से नियमित चलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस : ट्रेन संख्या 20669/20670 एसएसएस हुब्बल्ली-पुणे-एसएसएस हुब्बल्ली त्रि-साप्ताहिक वंदे भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवाएं 18 सितंबर को एसएसएस हुब्बल्ली से और 19 सितंबर को पुणे से शुरू होंगी। ट्रेन संख्या 20669 (एसएसएस हुब्बल्ली से पुणे) बुधवार, शुक्रवार और रविवार को संचालित होगी, जो सुबह 05:00 बजे एसएसएस हुब्बल्ली से रवाना होगी और दोपहर 01:30 बजे पुणे पहुंचेगी। मार्ग में पड़ने वाले प्रमुख पड़ावों में धारवाड़ (सुबह 05:15/05:17 बजे), बेलगावी (सुबह 06:55/07:00 बजे), मिराज (सुबह 09:15/09:20 बजे), सांगली (सुबह 09:30/09:32 बजे) और सतारा (सुबह 10:35/10:37 बजे) है। ट्रेन संख्या 20670 (पुणे से एसएसएस हुब्बल्ली) गुरुवार, शनिवार और सोमवार को चलेगी, जो पुणे से दोपहर 02:15 बजे रवाना होगी और रात 10:45 बजे एसएसएस हुब्बल्ली पहुंचेगी। मार्ग में सतारा (04:08/04:10 अपराह्न), सांगली (06:10/06:12 अपराह्न), मिराज (06:45/06:50 अपराह्न), बेलगावी (08:35/08:40 अपराह्न) और धारवाड़ (10:20/10:22 अपराह्न) स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में 8 कोच होंगे, जिसमें 52 एग्जीक्यूटिव क्लास सीटें और 478 चेयर कार सीटें होंगी। यह लॉन्च भारतीय रेलवे की कनेक्टिविटी बढ़ाने और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी उच्च गति वाली आधुनिक ट्रेनों के साथ यात्री यात्रा में सुधार करने की चल रही प्रतिबद्धता में एक और मील का पत्थर है।

प्रदेश की 50 ग्राम पंचायतों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगेगी : प्रियांक खरगे

बेंगलूरु। ग्रामीण विकास और पंचायत राज तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा है कि राज्य की ग्राम पंचायतों में बिजली की खपत पर नजर रखने और बिजली की लागत को कम करने के लिए सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने की ''होम्बेलाकु'' योजना शुरू की जाएगी। प्रदेश की 50 ग्राम पंचायतों में लागू किया गया है। जैसा कि इस वर्ष के बजट में घोषणा की गई थी, होमबेलाकु कार्यक्रम लागू किया जा रहा है और इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 25 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, मंत्री ने कहा, सौर स्ट्रीट लाइट पर्यावरण के अनुकूल हैं और इससे गांव के लिए बिजली की लागत का बोझ कम हो जाएगा। पंचायतें ऊर्जा का उपयोग नहीं करतीं। मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि जो सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं, उनमें एलईडी तकनीक है और उम्मीद है कि इस साल करीब 16,500 सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी, जिससे बिजली का खर्च बचकर ग्राम पंचायतों का विकास होगा। जिससे ग्रामीण लोगों को तेज रोशनी मिल सके।

लाखों के आभूषण के साथ काम वाली महिला गिरफ्तार

बेंगलूरु। घर मालिकों के घर से आभूषणों की चोरी करने वाली एक बिहार मूल की महिला को व्हाइटफील्ड पुलिस ने गिरफ्तार कर 53.50 लाख रुपए के आभूषणों को बरामद किया है। इसके बारे में जानकारी देते हुए नगर पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने बताया कि महिला के साथ सोने के आभूषणों के अलावा चांदी की वस्तुएं भी बरामद हुई हैं। महिला ने चार माह पहले गांधीपुरा व्हाइटफील्ड में एक घर में रसोई के काम में लगी हुई थीं। इस दरम्यान उसने घर में से थोड़ा थोड़ा सोना चांदी के आइटमों की चोरी करना शुरु कर दिया। एक दिन जब मालिकन ने देखा कि घर में से कुछ सोने चांदी के आइटम गायब है तो उन्होंने शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने पूछताछ की और महिला को आभूषण के साथ गिरफ्तार किया। महिला उस समय बिहार जाने के लिए तैयार हो रही थीं।

ऑपरेशन ब्लू स्टार गलत था, भाजपा ने इसके लिए दबाव बनाया था: चन्नी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने शुक्रवार को कहा कि वर्ष 1984 में स्वर्ण मंदिर में की गई सैन्य कार्रवाई 'गलत' थी और इसके लिए उनकी पार्टी माफी भी मांग चुकी है। उन्होंने यह दावा भी किया कि उस समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हरमिंदर साहब पर 'अटैक (हमले)' के लिए फौज भेजने की खातिर दबाव बनाया था जिसके लिए उसे माफी मांगनी चाहिए। चन्नी ने यहां कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के मामले से जुड़े सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की।

दिल्ली की एक अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के एक मामले में शुक्रवार को कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या तथा अन्य अपराधों में आरोप तय किए। यह पूछे जाने पर कांग्रेस ने जगदीश टाइटलर को अभी तक क्यों नहीं निकाला तो चन्नी ने कहा, ''जो दंगे हुए और जो हरमिंदर साहब पर 'अटैक' हुआ, उसके लिए एक बार नहीं, कांग्रेस बहुत बार माफी मांग चुकी है। हरमंदिर साहब पर 'अटैक' हुआ, वो गलत था, ये कांग्रेस मान चुकी है और माफी भी मांग चुकी है।'' उन्होंने सवाल किया कि भाजपा 10 साल से सत्ता में होने के बावजूद दंगों के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा क्यों नहीं दिलवा सकी?

चन्नी का कहना था, ''मैं कांग्रेस मुख्यालय में बैठकर कह रहा हूं कि 1984 में जो हरमंदिर साहब पर 'अटैक' हुआ वो गलत था। भाजपा क्यों नहीं मानती कि इस 'अटैक' को कराने के पीछे उसका एक बहुत बड़ा आंदोलन था।'' उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने उस समय सरकार पर दबाव बनाया था कि कि हरमंदिर साहब में फौज भेजी जाए तथा पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी पुस्तक 'माई कंट्री, माई लाईफ' में यह कहा है कि उन्होंने सैन्य कार्रवाई के लिए आंदोलन चलाया था।

हम शांति कायम रखने की अपील करते हैं, पर्यटकों का स्वागत है: सुक्खू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मंडी में मस्जिद के 'अनधिकृत' ढांचे को गिराने की हिंदू संगठनों की मांग और उनके प्रदर्शन के बाद पैदा हुए तनाव के बीच राज्य के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को जनता से शांति और भाईचारा कायम रखने की अपील की और कहा कि पर्यटकों का राज्य में स्वागत है।

सुक्खू ने यहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता रणधीर शर्मा, माकपा नेता राकेश सिंघा और आम आदमी पार्टी के नेता सुरजीत सिंह तथा अन्य के साथ एक सर्वदलीय बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ''हम शांति और भाईचारा कायम रखने और पर्यटकों का स्वागत करने की अपील करते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने सभी से अपील की है कि शांति बनाकर रखें और भड़काऊ बयान नहीं दें। किसी को कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं है। हम सभी का सम्मान करते हैं। हिमाचल की धरती पर सभी धर्मों का सम्मान है।'' मंडी शहर में एक मस्जिद के 'अतिक्रमण वाले' ढांचे को गिराने की मांग को लेकर हिंदू संगठनों द्वारा शुक्रवार को किए गए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश विरोध प्रदर्शन का राज्य है। उन्होंने सर्वदलीय बैठक के बाद यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा, ''हम सभी यहां छात्र आंदोलन की उपज हैं।'' सुक्खू ने कहा, ''हिमाचल प्रदेश विरोध प्रदर्शन का राज्य है। भाजपा, माकपा और बेरोजगारों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन यह शांतिपूर्ण होना चाहिए।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के लोग खुद आगे आए हैं और उन्होंने अनधिकृत संरचनाओं को गिराने की पेशकश की है और यहां तक कि बृहस्पतिवार को मंडी में मस्जिद के एक हिस्से को गिरा भी दिया। उनके कदम का स्वागत करते हुए सुक्खू ने कहा कि बैठक में यह संकल्प लिया गया है कि राज्य में शांति और भाईचारा कायम रहना चाहिए और सभी अनधिकृत निर्माण कार्यों से कानून के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने दोहराया कि किसी को भी किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ''यह कोई धार्मिक मुद्दा नहीं है। सभी समुदाय समान हैं और यहां शांतिपूर्वक रहते हैं। दो व्यक्तियों के बीच एक छोटे से विवाद के कारण वर्तमान स्थिति उत्पन्न हुई। स्थानीय नेताओं ने स्थानीय विवाद को हवा दी।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
PURVA BLUBELLE
Adjacent to **Magadi road Metro station**
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

नागमंगला हिंसा के खिलाफ बेंगलूरु में प्रदर्शन की कोशिश कर रहे 40 लोग हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मंड्या जिले के नागमंगला कस्बे में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हुई हिंसा के खिलाफ राज्य की राजधानी बेंगलूरु के टाउन हॉल के सामने विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे करीब 40 लोगों को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कुछ प्रदर्शनकारी गणेश प्रतिमाओं के साथ प्रदर्शन कर रहे थे और उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे जिन्होंने 11 सितंबर को शहर में दुकानों और वाहनों को निशाना बनाकर पथराव और तोड़फोड़ की थी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''लोगों का एक समूह टाउन हॉल के सामने विरोध प्रदर्शन करने के लिए आगे बढ़ रहा था, लेकिन इससे पहले कि वे कार्यक्रम स्थल तक पहुंच पाते, हमने उन्हें रोक दिया, क्योंकि वहां विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं थी। लेकिन प्रदर्शनकारी वहां जाने पर अड़े रहे जिसकी वजह से उन्हें हिरासत में लेना पड़ा। उनमें से लगभग 40 को एहतियातन हिरासत में लिया गया है।''

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नागमंगला में बुधवार रात हुए पथराव में दो पुलिसकर्मियों सहित कुछ लोग मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस के बताया कि बुधवार को जब बद्री कोप्पलू गांव से श्रद्धालुओं का जुलूस एक दरगाह के पास पहुंचा तो दो समूहों के बीच बहस शुरू हो गई और कुछ शरारती तत्वों ने पथराव कर दिया, जिससे स्थिति बिगड़ गई। उसने बताया कि दोनों समूहों के बीच झड़प के बाद बुधवार रात कुछ दुकानों में तोड़फोड़ की गई, सामान जला दिया गया तथा वाहनों में आग लगा दी गई। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भीड़ को तितर-बितर करने हेतु हल्का बल प्रयोग किया। जुलूस निकालने वाले युवाओं के समूह ने पुलिस थाने के पास रुककर विरोध प्रदर्शन किया ।

भाजपा ने नागमंगला हिंसा पर तथ्यान्वेषी समिति गठित की

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने मंड्या जिले के नागमंगला में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हुई हिंसा पर शुक्रवार को पांच सदस्यीय 'तथ्यान्वेषी समिति' गठित की। शहर में जुलूस के दौरान दो समूहों के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद भीड़ ने पथराव किया और कई दुकानों तथा वाहनों को निशाना बनाया, जिससे बुधवार रात को क्षेत्र में तनाव पैदा हो गया। इस समिति में विधायक एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सी एन अश्वथ नारायण, विधायक एवं पूर्व मंत्री बी. बसवराज, पूर्व मंत्री के सी नारायण गौड़ा, राज्य सचिव लक्ष्मी अश्विन गौड़ा और पूर्व आईपीएस अधिकारी भास्कर राव शामिल हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरपपा ने समिति के गठन की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा कि समिति को घटनास्थल का दौरा करने, वस्तुस्थिति की पड़ताल करने और एक सप्ताह के भीतर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

केजरीवाल को जमानत भाजपा नीत केंद्र सरकार के लिए 'एक झटका' : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि 'आबकारी नीति घोटाला' मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के उच्चतम न्यायालय के आदेश से सच्चाई और न्याय के लिए लड़ने वाले सभी लोगों में उम्मीद जगी है। सिद्दरामय्या ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के लिए भी ''एक झटका'' है, जो अपने राजनीतिक प्रतिशोध के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। उच्चतम न्यायालय ने आबकारी नीति 'घोटाले' के संबंध में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार मामले में शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी और कहा कि लंबे समय तक जेल में रखना स्वतंत्रता से अन्यायपूर्ण तरीके से वंचित करने के समान है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि ''केजरीवाल को जमानत देने और उन्हें जेल से रिहा करने के आदेश ने देश की न्यायपालिका में हमारे विश्वास को और पुख्ता किया है।'' उन्होंने कहा, यह आदेश सच्चाई और न्याय के लिए लड़ने वाले सभी लोगों को उम्मीद देता है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उच्चतम न्यायालय का यह आदेश केंद्र की भाजपा सरकार के लिए एक झटका है, जो अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। नफरत की राजनीति में उतर चुकी नरेन्द्र मोदी की अगुआई वाली सरकार को इस अदालती आदेश से सबक लेना चाहिए और जाग जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आखिरकार सत्य और न्याय की जीत होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने केजरीवाल को 10 लाख रुपये के मुचलके और दो जमानत राशियों पर जमानत दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को आबकारी नीति मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए 10 मई को अंतरिम जमानत दी गई थी और दो जून को आत्मसमर्पण करने के बाद से वह जेल में हैं।

विपक्ष ने कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना, उसकी 'तुष्टीकरण की राजनीति' को बताया वजह

नागमंगला हिंसा

बेंगलूरु/मंड्या/दक्षिण भारत । कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल एस के नेताओं ने शुक्रवार को कहा कि गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान राज्य के मंड्या जिले के नेलमंगला कस्बे में हुई हिंसा ''पूर्व नियोजित'' थी। उन्होंने घटना के लिए सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार की ''तुष्टीकरण की राजनीति'' को जिम्मेदार ठहराया। जुलूस के दौरान दो समूहों के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद भीड़ ने कई दुकानों और वाहनों को निशाना बनाया। घटना के बाद बुधवार रात इलाके में तनाव पैदा हो गया।

जद(एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने नागमंगला में कहा कि मौके पर किए गए निरीक्षण से यह बात सामने आई है कि प्रथम दृष्टया हिंसा व्यवस्थित रूप से ''पूर्व नियोजित'' थी। वह मांड्या के स्थानीय सांसद भी हैं। कुमारस्वामी ने सवाल किया कि सरकार और प्रशासन क्या कर रहा था। उन्होंने पूछा, घटना के पीछे क्या कारण है, इसकी जांच होनी चाहिए। यह किसकी विफलता है? क्या सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं है...पुलिस क्या कर रही थी?'' गृहमंत्री जी.परमेश्वर ने घटना को 'मामूली' और 'आकस्मिक' करार दिया था। उनके बयान पर निशाना साधते हुए कुमारस्वामी ने कहा, आप लोगों को किस तरह का संदेश दे रहे हैं...आप इसे आकस्मिक कह रहे हैं...जब ऐसा जुलूस निकल रहा था और यह एक संवेदनशील क्षेत्र था, अगर पर्याप्त उपाय किए गए होते, तो ऐसी घटना नहीं होती, यहां 30-40 वर्षों से रह रहे लोगों की दुकानों को आग लगा दी गई।

जद (एस) नेता ने आरोप लगाया कि घटना से महज दस मिनट पहले नागमंगला में तैनात अतिरिक्त आरक्षित पुलिस बल को हटा कर दूसरी जगह भेज दिया गया। उन्होंने सवाल किया, ''सुरक्षाबलों को किसने हटाया? गृह मंत्री ने या किसी और ने?'' कुमारस्वामी ने सांप्रदायिक हिंसा फैलाने की योजना को लेकर दर्ज प्राथमिकी में दी गई जानकारी की ओर इशारा करते हुए कहा, क्या आप परमेश्वर को गृह मंत्री कहेंगे? उन्होंने इसे एक मामूली घटना कहा था, अपनी पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी देखें जिसमें कहा गया है कि सांप्रदायिक हिंसा फैलाने के इरादे से उपद्रवियों द्वारा घातक हथियार, धातु के पाइप और लाठियां रखी जा रही थीं। परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को कहा था कि नागमंगला की घटना को ''सांप्रदायिक हिंसा'' नहीं कहा जा सकता, क्योंकि यह घटना ''क्षणिक गुस्से''की वजह से हुई।

शुक्रवार को नागमंगला में हिंसा के शिकार पीड़ितों से मुलाकात करते हुए केन्द्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी।

कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ लोगों ने 1990 में रामनगर और चन्नपटना में दुकानें जलाकर इसी तरह की 'हिंसा' भड़काई थी, ताकि कानून और व्यवस्था की स्थिति' का हवाला देकर तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरेंद्र पाटिल को हटाया जा सके। उन्होंने कहा,यह कांग्रेस के कुछ लोगों द्वारा प्रायोजित था। अब जब उन्हें चन्नपटना उपचुनाव का सामना करना है, तो उन्होंने तुष्टीकरण शुरू कर दिया है...।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता प्रल्हाद जोशी ने भी कहा कि घटनाक्रम को देखते हुए ऐसा लगता है कि यह 'पूर्वनियोजित' था। उन्होंने कहा कि गणपति विसर्जन जुलूस पर हमला करने के लिए छड़ों, पत्थरों और हथियारों का इस्तेमाल किया गया; ऐसा भी कहा रहा है कि पेट्रोल बम भी फेंके गये। जोशी ने कहा कि पिछले साल भी उसी जगह पर तनाव की स्थिति पैदा हुई थी; अगर पुलिस को खुली छूट दी गई होती तो यह घटना नहीं होती। उन्होंने कहा,सरकार जिस तरह से वोट बैंक की राजनीति कर रही है, उससे आतंकी गतिविधियों में लिप्त कुछ इस्लामी कट्टरपंथी ताकतों को लग रहा है कि यह हमारी सरकार है और हमें सुरक्षा मिलेगी। मैं सभी मुसलमानों पर आरोप नहीं लगा रहा हूं।''

जोशी ने भी परमेश्वर पर उनके बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया, हिन्दू पक्ष और मुस्लिम पक्ष के लोगों की बराबर-बराबर संख्या में गिरफ्तारी करके विरोध में संतुलन बनाया जा रहा है...यह उनके लिए धर्मनिरपेक्षता है।'' मैसूर के पूर्व सांसद और भाजपा नेता प्रताप सिम्हा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या एक ''तालिबान सरकार'' चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को उनके (सिद्दरामय्या के) आदेशों का पालन करना होगा और उनके खिलाफ नहीं जा सकती; नागमंगला में यही हुआ है। सिम्हा ने चेतावनी दी, यदि उकसावे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने वाले हिंदुओं पर मामला दर्ज किया गया और उन्हें प्रताड़ित किया गया तो हम पुलिस थाने आएंगे और यदि उन्हें जेल में डाला गया तो हम भी जेल जाएंगे। पूर्व सांसद ने चेतावनी देते हुए कहा,...चित्रदुर्ग में शोभा यात्रा' निकलती है जिसमें लाखों लोग शामिल होते हैं। उत्तर कर्नाटक में, दावणगेरे, शिवमोगा, मगदी और चिक्काबल्लापुरा में बड़े पैमाने पर 'गणेशोत्सव' मनाया जाता है। अगर आप (मुख्यमंत्री और गृहमंत्री) मुस्लिम तत्वों के 'पेट्रोल बम, तलवारों' और पत्थरों से सुरक्षा नहीं देते हैं, तो गणेशोत्सव जुलूस के दौरान खुद को बचाने के लिए हमें 'पेट्रोल बम और तलवार' लेकर चलना पड़ सकता है, अगर स्थिति हाथ से निकल गई, तो सिद्दरामय्या (मुख्यमंत्री) जिम्मेदार होंगे। भाजपा की युवा इकाई के प्रमुख और बेंगलूरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि जब भी कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता में आई, टीपू सुल्तान और औरंगजेब की संतानें पैदा हुईं और उन्हें ताकत मिली।

भाजपा नेता अशोक ने साधा मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री आर अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर पलटवार किया है। सिद्दरामय्या ने कहा था कि राहुल गांधी की आरक्षण संबंधी टिप्पणी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का प्रदर्शन किसी कसाई द्वारा पशु क्रूरता का विरोध किए जाने की तरह है। अशोक मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के एक सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया जता रहे थे, जिसमें मुख्यमंत्री ने भाजपा नेताओं पर उनकी आरक्षण विरोधी भावनाओं के लिए कटाक्ष किया था।

अशोक ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, एक मुख्यमंत्री, जिनकी सरकार पर अनुसूचित जनजाति समुदायों के कल्याण के लिए निर्धारित 187 करोड़ रुपये की राशि की हेराफेरी का आरोप है, उनका आरक्षण के बारे में बात करना 'शैतान द्वारा शास्त्रों का हवाला देने' के समान है। उन्होंने यह भी कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 27 जून, 1961 को लिखे एक पत्र में जाति-आधारित आरक्षण और विशेषाधिकारों की परंपरा के बारे में अपनी आपत्तियां व्यक्त की थीं।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, नेहरू ने लिखा था, ''मैं किसी भी तरह के आरक्षण को नापसंद करता हूं, खासकर सेवा में। मैं ऐसी किसी भी चीज के खिलाफ दृढ़ता से प्रतिक्रिया जताता हूं जो अकुशलता और दोयम दर्जे के मानकों को जन्म देती है।'' उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1980 में सौंपी गई मंडल आयोग रिपोर्ट को कभी लागू नहीं किया।

अशोक ने पोस्ट में लिखा, उन्होंने (इंदिरा गांधी) एक नारा दिया: 'न जात पर न पात पर, मोहर लगेगी हाथ पर।' पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने मार्च 1985 में एक साक्षात्कार में कहा था: 'आरक्षण के नाम पर मूर्खों को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए और आरक्षण के नाम पर मूर्खों को बढ़ावा देने से पूरे देश को नुकसान होगा।' और अब कांग्रेस कहती है कि भाजपा अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के खिलाफ है।

क्या यह विडंबना नहीं है? कांग्रेस और भाजपा के बीच वाकयुद्ध कुछ दिनों पहले तब शुरू हुआ जब राहुल गांधी ने जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में छात्रों से संवाद के दौरान कहा था कि कांग्रेस तभी आरक्षण खत्म करने के बारे में सोचेगी, जब देश में सभी को समान अवसर मिलने लगेंगे और फिलहाल भारत में ऐसी स्थिति नहीं है।

हिंसा के संबंध में पुलिस निरीक्षक निलंबित, तीन और गिरफ्तार

नागमंगला। कर्नाटक के नागमंगला में भगवान गणेश की शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में एक पुलिस निरीक्षक को लापरवाही बरतने के लिए निलंबित कर दिया गया है तथा घटना के संबंध में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि मंड्या जिले के इस शहर में स्थिति सामान्य हो गई है, जहां बुधवार रात दो समूहों के बीच झड़प होने के बाद भीड़ के कई दुकानों और वाहनों को निशाना बनाकर तोड़फोड़ किए जाने से तनाव पैदा हो गया था।

पुलिस ने कहा कि स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है, फिर भी शहर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और एहतियात के तौर पर 14 सितंबर तक चार से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगाते हुए निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में तीन और गिरफ्तारियों के साथ गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या बढ़कर 55 हो गई है। पहले गिरफ्तार किए गए 52 लोगों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बृहस्पतिवार को फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के विशेषज्ञों की एक टीम ने भी साक्ष्य जुटाने के लिए घटनास्थल का दौरा किया। मंड्या के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालदंडी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नागमंगला टाउन थाने में तैनात पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार को शोभायात्रा के दौरान हुई झड़पों के संबंध में लापरवाही बरतने के लिए बृहस्पतिवार शाम को निलंबित कर दिया गया।

कानून अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ गृह मंत्री ने कठोर कार्रवाई की दी चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कानून अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की चेतावनी देते हुए शुक्रवार को कहा कि हिंसा प्रभावित नागमंगला शहर में स्थिति शांतिपूर्ण है और जांच जारी है। उन्होंने कहा कि सरकार उन लोगों को मुआवजा देने पर विचार करेगी जिनकी आजीविका इस घटना के कारण प्रभावित हुई है। उन्होंने इस घटना का ''राजनीतिकरण'' करने के लिए विपक्षी दलों पर निशाना साधा। मंड्या जिले के नागमंगला में गणेश मूर्ति विसर्जन शोभा यात्रा के दौरान दो समूहों के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद भीड़ ने कई दुकानों और वाहनों को निशाना बनाया, जिससे बुधवार रात तनाव पैदा हो गया।

परमेश्वर ने पत्रकारों से कहा, ''एक पुलिस निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया है, क्योंकि उसने शोभा यात्रा के निर्धारित मार्ग में आंशिक परिवर्तन किया था। यह उसकी जिम्मेदारी है। हमने राज्य भर के पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों से कहा था कि अगर उनके अधिकार क्षेत्र में कोई घटना होती है तो वे जिम्मेदार होंगे....।'' उन्होंने कहा कि पुलिस उपाधीक्षक और अन्य अधिकारियों के खिलाफ जांच की जा रही है, वरिष्ठ अधिकारियों को तथ्यों' पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है और इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने कहा, हमने घटना की जांच रिपोर्ट मांगी है। अब स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी वहां डेरा डाले हुए हैं और स्थिति पर नजर रख रहे हैं....। हिंसा के पूर्व नियोजित होने के सवाल पर परमेश्वर ने कहा कि जांच के आदेश दे दिए गए हैं और रिपोर्ट आने के बाद ही चीजें स्पष्ट होंगी। उन्होंने कहा, ''...मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं देंगे, चाहे वह गणेश उत्सव हो या कोई अन्य त्योहार, अगर कोई भी अनावश्यक भ्रम या अशांति पैदा करने में लिप्त है, तो उन्हें ऐसा नहीं करने दिया जाएगा और कानून के अनुसार उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।'' इस घटना के कारण जिन लोगों की दुकानों को निशाना बनाया गया और जिनकी आजीविका प्रभावित हुई, उन्हें मुआवजा दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा कि रिपोर्ट के आधार पर सरकार इस संबंध में विचार करेगी। उन्होंने कहा, ''ऐसी स्थिति में मुआवजा देने के नियम हैं, हम इस पर विचार करेंगे।'' सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त होने के आरोपों को खारिज करते हुए मंत्री ने कहा, ''हमें ऐसी चीजों (तुष्टीकरण) की जरूरत नहीं है।''

वक्फ बोर्ड कानून को रद्द करने की मांग के लिए जनजागृति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्र की भाजपा सरकार 1995 के वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव लाने जा रही है, और 'वक्फ संशोधन विधेयक 2024' पर संयुक्त संसदीय समिति का गठन करके जनता से अपने विचार व्यक्त करने की अपील की गई है।

इस संदर्भ में हिंदू जनजागृति समिति और अन्य हिंदू संगठनों ने बेंगलूरु के विजयनगर, चंदापुर और अन्य स्थानों पर जाकर ईमेल के माध्यम से जनता से अपने मत भेजने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करके ईमेल भेजने का अभियान आयोजित किया। इस अभियान में कई देशप्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वक्फ बोर्ड के लैंड जिहाद षड्यंत्र को जनता के सामने उजागर किया। इस अभियान का समर्थन करनेवाले लोग अपनी सम्मति व्यक्त की। हिंदू जनजागृति समिति कई वर्षों से वक्फ बोर्ड द्वारा किए जा रहे लैंड जिहाद घोटालों को उजागर करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसके तहत, कई जिला प्रशासन को याचिकाएं दी जा चुकी हैं और बेंगलूरु, बेलगावी सहित महाराष्ट्र के कई सीमावर्ती किलों में वक्फ बोर्ड द्वारा कब्जा किए जाने के प्रयासों को रोकने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

दपरे के बेंगलूरु मंडल में हिन्दी पखवाड़ा का हुआ उद्घाटन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के बेंगलूरु मंडल में हिन्दी पखवाड़ा समारोह का उद्घाटन शुक्रवार को मंडल रेल प्रबंधक योगेश मोहन ने दीप प्रज्वलित कर किया। 27 सितम्बर तक चलने वाले इस पखवाड़े में ज्ञानचन्द मर्मज्ञ मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कविता पाठ किया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने अपने हिंदी दिवस के संदेश में हिंदी की विशिष्टता का परिचय कराया। उपस्थित अधिकारियों के लिए हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी अधिकारियों ने बढ़-चढ कर भाग लिया।

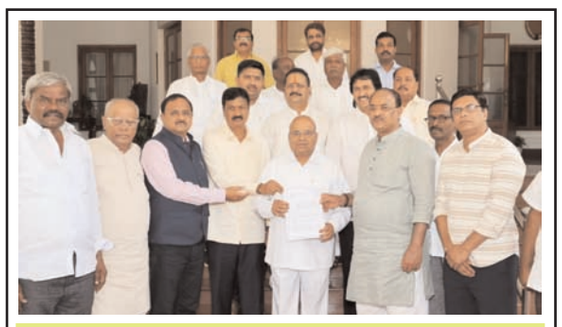

मुलाकात

बेंगलूरु में शुक्रवार को पूर्व मंत्री अरविंद लिंबावली, रमेश जारकीहोली और कुमार बंगारप्पा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने उन्हें एक ज्ञापन भी सौंपा।

अगर नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया तो मैं आकर बांध के गेट उठा दूंगा : कुमारस्वामी

नागमंगला/दक्षिण भारत । केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को चेतावनी दी कि कृष्णराज सागर बांध के द्वार खोलो और पानी छोड़ो। अगर मालवल्ली और नागमंगला झील को नहीं भरा गया और इलाके के आखिरी हिस्से की नहर में पानी नहीं छोड़ा गया तो मुझे आकर बांध के गेट खोलने पड़ेंगे। केंद्रीय मंत्री ने दंगा प्रभावित नागमंगला का दौरा करते हुए मीडिया से बात की। मालवल्ली हिस्से को अब तक पानी नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि यहां एक विधायक कह रहे हैं कि आपने कुमारस्वामी को वोट दिया है, अगर आपको पानी चाहिए तो जाकर कुमारस्वामी से पूछिए। मैं पूछता हूँ कि बांध उनके पिता के घर की संपत्ति है। किसानों को पानी देने की क्षमता नहीं है। उन्हें शर्म आनी चाहिए। तालाबों में पानी नहीं है। मेडूर जलाशय लबालब हो गया है। मुझसे मिलने वाले तमिलनाडु के कुछ नेताओं का कहना है कि जलाशय से लाखों क्यूसेक पानी समुद्र में बह रहा है।

ऐसे शोध और अनुसंधान को बढ़ावा मिले जिससे भारत कृषि क्षेत्र में बने अग्रणी : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने वर्षा जल संरक्षण के लिए अधिकाधिक कार्य करने के साथ ही कृषि विश्वविद्यालयों में इस तरह के शोध और अनुसंधान को बढ़ावा दिए जाने पर बल देते हुए कहा है कि ऐसे कार्यों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि भारत कृषि क्षेत्र में विश्वभर में अग्रणी बन सके। बागडे शुक्रवार को कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के बारहवें स्थापना दिवस पर संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने विश्वविद्यालय के डेयरी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के भवन का भी लोकार्पण किया।

उन्होंने कहा कि उत्पादन, ग्रेडिंग, पैकिंग के काम घर में ही करने की शिक्षा प्रदान कर किसान हित में अधिकाधिक कदम उठाए जाएं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रसार शिक्षा के अंतर्गत किसानों के लिए क्रियान्ति केन्द्र व राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं का अधिकाधिक प्रसार किए जाने पर भी जोर दिया ताकि आम किसान को प्रत्यक्ष उनका लाभ सके।

उन्होंने कहा कि यह समय वर्षा का है। इस बार सभी स्थानों पर अच्छी वर्षा हो रही है। वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए सभी मिलकर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हर बार अच्छी वर्षा होगी, यह भरोसा नहीं किया जा सकता। इसलिए हो रही वर्षा के पानी को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि यह जलवायु परिवर्तन का दौर है। कृषि पर भी बहुत से संकट हैं।

इस दौर में अधिकाधिक पौधे लगाकर और प्राकृतिक खेती को अपनाकर ही हम देश का विकास कर सकते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि खेतों अंधाधूंध रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म हो रही है। इससे उत्पादित फसल के उपयोग से कैंसर जैसे असाध्य रोग हो रहे हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि प्राकृतिक खेती की ओर लौटा जाए। उन्होंने उद्यानिकी और कृषि में तकनीक के प्रयोग से अधिक उत्पादन का भी आह्वान किया।

बागडे ने कृषि शिक्षा के तहत युवाओं को खेती के लिए प्रेरित करने, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य कृषि उत्पादों में उद्यमिता विकास के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया। उन्होनें कहा कि खेती लाभकारी कैसे हो, इस पर सब मिलकर प्रयास करें। उन्होनें कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि यह सुखद है कि आजादी से पहले यहां कृषि शिक्षा के लिए इस तरह के प्रयास हुए हैं। उन्होंने खेती और पशुपालन के लिए व्यावहारिक सोच रखते हुए कार्य करने पर जोर दिया। इस अवसर पर राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सी आर चौधरी और सांसद राव राजेंद्र सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।

इससे पहले राज्यपाल ने कृषि शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि कृषि को स्वयं की उद्यमिता में बदलें। नौकरी की बजाय कृषि क्षेत्र को ही भविष्य के लिए चुनें ताकि देश आपके ज्ञान, अर्जित शिक्षा से कृषि क्षेत्र में अग्रणी बन सके। उन्होंने कृषि और पशुपालन से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनी भी देखी और सराहना की।

टंकी में गाय का शव मिलने के मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में एक निर्माणाधीन इमारत की पानी की टंकी में गाय का शव मिलने के बाद एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि भवन के मालिक मुफीद बंजारा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। हसनपुरा इलाके में सोडाला थाने के अंतर्गत आने वाली शिव कॉलोनी के लोगों ने भवन के आसपास से बदबू आने पर बृहस्पतिवार शाम हंगामा किया, जिसके बाद सिविल लाइंस क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक गोपाल शर्मा और नगर निगम के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। नगर निगम की टीम ने भवन मालिक द्वारा किए गए निर्माण को अवैध बताते हुए उसके कुछ हिस्से को तोड़ भी दिया।

सोडाला के थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया, पानी की टंकी में गाय का शव मिलने के बाद बृहस्पतिवार को स्थानीय निवासियों ने हंगामा किया। स्थानीय निवासियों ने भवन मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अवैध निर्माण पाए जाने पर नगर निगम की टीम ने इमारत के कुछ हिस्से को तोड़ने की कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात इमारत के मालिक मुफीद बंजारा के खिलाफ राजस्थान गोजातीय पशु (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रवास या निर्यात का विनियमन) अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

भाजपा अपने परिवार को मजबूत कर रही है इससे कांग्रेस वाले भयभीत : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी अपने परिवार को मजबूत कर रही है, जिससे कांग्रेस भयभीत है। राठौड़ ने यहां एक सवाल के जवाब में राहुल गांधी व कांग्रेस के दूसरे नेताओं की देशभर में हो रही आलोचना का समर्थन करते हुए कहा, कांग्रेसी नेताओं को घेरने की जरूरत भाजपा को नहीं है। कांग्रेस पार्टी के नेता तो स्वयं अपनों में घिरे हुए है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेश में जाकर भारत के नेतृत्व और आरक्षण जैसे विषयों पर अनर्गल बयान जारी करेंगे तो देश में उनके

वक्तव्य की निंदा तो की जाएगी। राठौड़ ने कहा कि वहीं भाजपा अपने परिवार को सुदृढ कर रही है इससे वे भयभीत हो रहे है इसमें तो कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने राज्य में 'बुलडोजर राजनीति' पर कहा कि अदालत ने अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के लिए कभी रोक नहीं लगाई। अतिक्रमण हटाना प्रशासन की प्राथमिकता है और रहेगी। उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोपों के सवाल पर कहा कि वाल्मीकि पहले डाकू थे लेकिन जब उन्हें ज्ञान का बोध हुआ तो वे महर्षि वाल्मीकि बन गए। उन्होंने कहा कि भाजपा में भ्रष्टाचार कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर कार्य कर रही है और भ्रष्टाचारियों पर कानून के अनुसार ही कार्रवाई की जाएगी। राठौड़ ने मुख्यमंत्री के 'राईजिंग राजस्थान' को लेकर किए गए सवाल के जवाब में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के राजस्थान में निवेश को लेकर किए जा रहे प्रयास सराहनीय और उत्साहवर्धक है।

दर्शन

संसदीय कार्य विभाग, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को बाबा रामदेव जयंती के अवसर पर मसूरिया स्थित बाबा बालीनाथ मंदिर पहुंचकर रामदेव जी महाराज के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर गुरु पूज्य बाबा बालीनाथ की समाधि के दर्शन किए एवं आशीर्वाद प्राप्त कर अखंड ज्योति के दर्शन किए।

महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने रामनगरिया आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव महिला एवं बाल विकास महेन्द्र सोनी ने निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं ओ पी बुनकर के साथ शुक्रवार को रामनगरिया के राजकीय विद्यालय स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी में संचालित रसोई घर, उसमें रखी पोषण सामग्री का अवलोकन किया और मुमूरि खा कर उसकी गुणवत्ता को जाँचा। उन्होंने सफाई और संचालन की दृष्टि से शौचालय का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने पोषण वाटिका का भी अवलोकन किया तथा आंगनबाड़ी में पेयजल और विद्युत कनेक्शन तथा अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। शासन सचिव सोनी और निदेशक बुनकर ने निरीक्षण के दौरान पूरक पोषाहार गुणवत्ता को स्वयं चेक किया साथ ही वहां पर महिलाओं से भी फीडबैक लिया।

इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं से उड़ान योजना का भी फीडबैक लिया। उन्होंने महिलाओं से आंगनबाडी केंद्र से मिल रहे योजनाओं के लाभ के बारे में जानकारी ली। जिसमें पीएमएमवीवाई योजना के लाभार्थियों से वार्तालाप कर फीडबैक लिया। उन्होंने वहां उपस्थित महिला पर्यवेक्षक को निर्देश दिए कि पीएमएमवीवाई योजना के पात्र लाभार्थियों का वेरीफाई एवं एसओ अनुमोदन को प्राथमिकता के साथ करवाना सुनिश्चित करे।

शासन सचिव सोनी और निदेशक बुनकर ने गर्भवती और धात्री माताओं तथा बच्चों के किये जाने वाले टीकाकरण और ममता कार्ड के बारे में जानकारी ली। उन्होंने राज्य में चल रहे राष्ट्रीय पोषण माह के तहत संचलित गतिविधियों की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने वहां उपस्थित बच्चों से कविता सुनी और उनका उत्साहवर्धन किया।उन्होंने पोषण ट्रैकर पर वृद्धि निगरानी के अंतर्गत लंबाई/ऊंचाई मापन के यन्त्रों का व्यावहारिक अवलोकन किया। पोषण ट्रैकर में डाटा कैसे दर्ज किया जाता है इसकी जानकारी ली।

स्वागत

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का अजमेर पहुंचने पर किशनगढ़ एयरपोर्ट पर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

जापान दौरे पर भजनलाल, ओसाका में प्रवासी राजस्थानियों से की आत्मीय भेंट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने ग्लोबल इंवेस्टमेंट सम्मिट 2024 के संदर्भ मे आज जापान प्रवास के दौरान ओसाका में अपनी बहुआयामी प्रतिभा से अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश एवं प्रदेश का मान बढ़ा रहे प्रवासी राजस्थानी समुदाय के साथ आत्मीय भेंट की तथा उनके साथ भारत और जापान के मध्य आर्थिक, सांस्कृतिक एवं रणनीतिक संबंधों पर विस्तृत चर्चा की। आज शाम तक सीएम जापान से इंडिया के लिए रवाना हो सकते है। साथ ही सीएम ने जापान में राजस्थान के सांस्कृतिक राजदूत की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे प्रवासी राजस्थानियों से अपने मातृ राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए आह्वान किया व राजस्थान की समृद्ध विरासत और आधुनिक विकास के अवसरों को जापानी समुदाय के समक्ष प्रस्तुत करने का आग्रह किया, जिससे दोनों देशों के मध्य आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध और अधिक सुदृढ़ हो सकें। मुख्यमंत्री ने जापान प्रवास के दौरान ओसाका में डाइकिन कंपनी में प्रस्तुतीकरण का अवलोकन एवं अनुसंधान एवं विकास केंद्र का भ्रमण किया।इस अवसर पर कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन से विस्तृत चर्चा की, उनकी उत्पादन प्रक्रिया का निरीक्षण किया, भविष्य की तकनीकी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया, राजस्थान में निवेश के अवसरों पर गहन विचार-विनिमय किया एवं उन्हें आगामी ग्लोबल इंवेस्टमेंट सम्मिट में सहभागिता हेतु सादर आमंत्रित किया। सीएम ने कहा राजस्थान को भारत की निवेश राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में हमारी सरकार प्रदेश में निवेश को प्रोत्साहित, औद्योगिक अवसंरचना को सुदृढ़, कुशल श्रमशक्ति को विकसित एवं व्यावसायिक सुगमता को बढ़ावा देने के लिए हर स्तर पर निरंतर प्रयासरत है।

आरटीडीसी एमडी सुषमा अरोड़ा ने किया निगम इकाइयों का निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यटन शासन सचिव रवि जैन एवं आरटीडीसी प्रबंधन निदेशक श्रीमती सुषमा अरोड़ा ने निगम अधिकारियों की टीम के साथ शुक्रवार को राजस्थान पर्यटन विकास निगम की होटल गणगौर, खासा कोठी, कैफेटेरिया पड़ाव नाहरगढ़ एवं शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील्स का निरीक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पर्यटन सचिव रवि जैन ने बताया कि प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिल सके, इसलिए निगम द्वारा संचालित इकाइयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निगम द्वारा संचालित होटल्स के प्रमोशन के लिए नवचार के साथ मार्केटिंग की जाएगी। बरसों से घाटे में चली आ रही आरटीडीसी को मुनाफे में लाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। आरटीडीसी निगम प्रबन्ध निदेशक सुषमा अरोड़ा ने बताया कि पधारो म्हारे देश के साथ हम देश-विदेश के पर्यटकों को राजस्थान पधारने का आमंत्रण देते है। इसलिए हमारी जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि राजस्थान आने वाले सभी पर्यटकों को आवास, भोजन एवं परिवहन की अच्छी सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा संचालित इकाइयों में खाने की क्वालिटी को सुधारने, स्टाफ के लिए ड्रेस कोड एवं आरटीडीसी की आय को बढ़ाने के लिए बंद पड़े दुर्ग कैफेटेरिया नाहरगढ़ एवं हवेली पन्ना मीणा आमेर फोर्ट को फिर से शूरू करने के लिए मौके पर जाकर वस्तुस्थिति को जाना। जल्द ही पर्यटकों की सुविधा के लिए शुरू करने के प्रयास किये जा रहे है। निगम प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हीलस का भी निरीक्षण कर जायजा लिया।

कांग्रेस गठबंधन हरियाणा और जम्मू कश्मीर में भारी बहुमत से बनाने जा रहा है सरकार : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट दावा किया है कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और उसका गठबंधन भारी बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं। पायलट जोधपुर में मीडिया से रूबरू होते हुए यह दावा किया। उन्होंने कहा कि इन दो राज्यों में चुनाव चल रहे हैं जहां प्रचार चालू हो चुका है। हरियाणा में दस साल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार है। ऐन मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री को बदलकर अपनी हार स्वीकार की है और जो माहौल पूरे हरियाणा में बना हैं उसको देखकर कहा जा सकता है कि कांग्रेस प्रचंड बहुमत से सरकार बनायेगी।

उन्होंने कहा मुझे लगता है ऐतिहासिक बहुमत हरियाणा की जनता कांग्रेस पार्टी को देगी और एक बार वहां पर दोबारा कांग्रेस सरकार बनने जा रही है। जम्मू कश्मीर के अंदर हमारे गठबंधन है और वहां बहुत सारे राजनीतिक षड्यंत्र रचे गए हैं, पिछले कही साल से और मैं उम्मीद करता हूं कि तीन चरण का चुनाव होगा और जब मतगणना होगी उसके बाद वहां पर दोबारा कांग्रेस और कांग्रेस के गठबंधन की सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि इंडिया गढ़बंधन एक राष्ट्रीय गठबंधन बना है वह लगातार आगे बढ़ रहा है, हम लोगों ने हरियाणा में भी कम्युनिस्ट पार्टी को एक सीट दी है यह इस बात को दिखलाता है कि कांग्रेस पार्टी सबको साथ लेकर चलना जानती है।आगे चल भी रही है। बाकी दो राज्य झारखंड एवं महाराष्ट्र, वहां पर भी चुनाव होने हैं। वह पार्टी वह सरकार जो एक राष्ट्र एक चुनाव कराने का दावा कर रहे थे, वैसा माहौल नहीं बना पा रहे हैं जहां निर्वाचन आयोग चार राज्यों के चुनाव एक साथ करा सकता है।

पायलट ने कहा कि राजस्थान में विधानसभा के उपचुनाव होने बाकी हैं और उत्तरप्रदेश में उपचुनाव होने है। उसकी भी घोषणा अभी हुई नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद जिस तरह का सरकार का रवैया रहा हैं। सदन और सदन के बाहर तमाम मुद्दों पर सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा है। जो बहुमत का अहंकार पिछले दस साल से था वह जनता ने गत चार जून को उतार दिया है। इसके बाद एक नई सच्चाई नई असलियत देश के सामने आई है।

उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी के आग्रह को स्वीकार कर नेता प्रतिपक्ष बने हैं और जिस प्रकार वह सरकार के जवाबदेही तय कर रहे हैं। वह भी अपने आप में एक बदले हुए माहौल को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जब भी भाजपा बैकफुट पर आती है वह सीधा राहुल गांधी को टारगेट करते हैं। वह कुछ बयान देते हैं सरकार को कटघरे में खड़ा करते हैं तो केंद्र सरकार उनके ऊपर लांछन लगाना, विरोध करना इनकी आदत बन चुकी है। लेकिन हमें पूरा विश्वास है कांग्रेस पार्टी लगातार मजबूती से आगे बढ़ रही है और नई ऊर्जा कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को मिली है।

कई राज्यपाल हस्तक्षेप और राजनीति कर रहे हैं : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पश्चिम बंगाल में राज्यपाल व मुख्यमंत्री बीच जारी 'गतिरोध' पर टिप्पणी करते हुए शुक्रवार को कहा कि कई राज्यों में राज्यपाल हस्तक्षेप और राजनीति करते हैं। इसके अलावा गहलोत ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा की सफलता से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बौखला गई है और उनकी यात्रा को लेकर तमाम तरह के झूठ फैला रही है। गहलोत ने दिल्ली रवाना होने से पहले यहां मीडिया द्वारा पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के एक बयान के बारे में पूछे जाने पर कहा, वहां के राज्यपाल के साथ-साथ कई जगहों (राज्यों) के राज्यपाल हस्तक्षेप और राजनीति करते हैं। मैं पहली बार देख रहा हूं पूरे देश में कई राज्यों में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच टकराव सामने आ रहा है। यह ठीक नहीं है।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने बृहस्पतिवार को कहा था कि आरजी कर अस्पताल मामले पर गतिरोध को लेकर लोगों के गुस्से को देखते हुए वह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ कोई भी सार्वजनिक मंच साझा नहीं करेंगे। आरजी कर मामले से जुड़े एक अन्य सवाल के जवाब में गहलोत ने कहा कि बंगाल की घटना गंभीर

थी और वहां की पुलिस भी ढंग से मामले को संभाल नहीं पाई।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा को सफल बताते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा इससे बौखला गई है। कांग्रेस नेता गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा कि भाजपा द्वारा 15-20 साल तक बदनाम करने के प्रयासों के बावजूद राहुल गांधी अब देश की आशा एवं अपेक्षा का केन्द्र बिन्दु बन गए हैं। उन्होंने कहा कि इससे भाजपा इतनी हताश और आक्रामक हो गई है कि देश की राजधानी दिल्ली में भाजपा के नेता खुलेआम राहुल गांधी की हत्या की बातें कर रहे हैं।

गहलोत ने लिखा कि ऐसे बयानों पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की चुप्पी हैरान करने वाली है और यह दिखाता है कि अपनी सत्ता कायम रखने के लिए भाजपा किस हद तक जा सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा की सफलता से भाजपा पूरी तरह बौखला गई है और इस यात्रा को लेकर देशभर में अफवाह फैला रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान बदलने एवं आरक्षण खत्म करने के इरादे जाहिर करने वाली भाजपा को जनता ने अच्छा सबक सिखाया, इसके बावजूद भाजपा आरक्षण पर झूठ बोलने से बाज नहीं आ रही है।

गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा है कि समाज में समानता लाने के लिए आरक्षण जरूरी है और आवश्यकता के अनुरूप इसकी सीमा भी बढ़ानी चाहिए। कांग्रेस नेता ने लिखा कि राहुल गांधी देश में सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं जिसे वो अंजाम तक लेकर जाएंगे और आरक्षण से खिलवाड़ करने के भाजपा के इरादे को कभी पूरा नहीं होने देंगे।

दृढ़ इच्छाशक्ति, आपसी समन्वय और संवाद से महज दो वर्ष में 'इंसेफेलाइटिस' पर पाया काबू : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दावा किया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, आपसी समन्वय और संवाद से महज दो वर्ष में 'इंसेफेलाइटिस' यानि दिमागी बुखार पर काबू पाया गया है।

डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी ने वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन और नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कई प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोफेसर जेआर को मेडल-सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस मौके पर अपने संबोधन में योगी ने कहा कि पांच वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश इंसेफेलाइटिस से ग्रस्त था। वहां 15 जुलाई से 15 नवंबर के बीच 1200 से 1500 मौतें हुईं थीं। अकेले गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 500 से 700 मौतें हुईं थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह क्रम पिछले 40 वर्ष से चल रहा था। इस दौरान 50 हजार बच्चों की मौतें हुईं लेकिन पिछली सरकारों का इससे कोई लेना-देना नहीं था। जब इसे रोकने के लिए सुविधा देनी होती थी तो वह भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते थे। उन्होंने कहा, यह तंत्र की नाकामी थी। मैंने सांसद रहते हुए सड़क से लेकर सदन तक मुद्दा उठाया, जिसके बाद काम शुरू हुआ।

योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को श्रेय देते हुए कहा, मोदी ने इंफेसेलाइटिस पर लगाम लगाने के लिए गोरखपुर को एम्स दिया। वहीं 2017 में मुख्यमंत्री बनने पर इसे खत्म करने की जिम्मेदारी मेरी हो गयी। इस पर काम शुरू किया गया और वर्ष 2019 में इस पर नियंत्रण पा लिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा, उसी का परिणाम है कि आज पूर्वी उत्तर प्रदेश इंसेफेलाइटिस से मुक्त हुआ है। आज यहां पर मौत जीरो हो गयी हैं। यह दृढ़ संकल्प और आप सभी के सहयोग से हो पाया है, जबकि इसके खात्मे के बारे में पहले कोई सोच नहीं सकता था।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 'इंसेफेलाइटिस' को लेकर इस बार भी दो बार सर्वे कराया गया, जिसमें सामने आया कि एक भी बच्चे की मौत नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि आज पूर्वी उत्तर प्रदेश खुशहाल है। यह सब बेहतर समन्वय और संवाद से हो पाया।

हिमाचल में हिंदुओं की एकजुटता से वक्फ बोर्ड को झुकना पड़ा : गिरिराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने हिमाचल प्रदेश के शिमला में संजौली मस्जिद के अनाधिकृत हिस्से को स्वयं गिराने की मुस्लिमों की पेशकश पर शुक्रवार को यहां कहा कि हिंदुओं ने एकजुटता का प्रदर्शन किया, जिससे वक्फ बोर्ड को झुकना पड़ा।

गिरिराज सिंह ने यहां यमुनापार नैनी के महेवा में स्थापित शिल्प ग्राम का उद्घाटन करने के बाद कहा, हिमाचल प्रदेश पूरे देश को यह संदेश देता है कि जब तुम (हिंदू) एकजुट रहोगे तो दुनिया की कोई ताकत नहीं.. ना तो कोई गोरा आएगा और ना ही मुगल आएगा। उन्होंने मठाधीश और माफिया को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश के बयान पर कहा, आज टुकड़े-टुकड़े गिरोह के सदस्य चाहे राहुल गांधी हों या अखिलेश यादव हों, उन्हें अपराधियों में भी जाति दिखाई देती है। वहीं योगी जी को अपराधी केवल अपराधी दिखाई देते हैं। यही अंतर योगी जी और अखिलेश यादव में हैं। अखिलेश ने अपने कार्यकाल में केवल जाति देखी और गुंडागर्दी को बढ़ावा दिया। गिरिराज ने प्रधान न्यायाधीश के घर गणेश पूजन में प्रधानमंत्री की उपस्थिति को लेकर मची सियासत पर कहा, टुकड़े टुकड़े गिरोह के लोग टोपी पहनकर हामिद (पूर्व उपराष्ट्रपति) के घर जाएंगे और बकरीद पर मौजूद रहेंगे तो अच्छा, अगर कोई आंतकियों के लिए रात को दरवाजे खोले तो केजरीवाल, राहुल गांधी और अखिलेश को अच्छा लगेगा।

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन : सरकार के एक मंत्री ने अदालत में समर्पण किया, दूसरे मंत्री के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

मुजफ्फरनगर/भाषा। आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में उत्तर प्रदेश सरकार के कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने शुक्रवार को अपने खिलाफ गैर जमानती वारंट वापस लेने के लिए यहां की स्थानीय सांसद/विधायक अदालत में समर्पण कर दिया। वहीं आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के एक अन्य मामले में राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। अदालत ने जारी वारंट वापस लेने और 25,000 रुपए की दो जमानत देने के बाद अग्रवाल को रिहा करने का आदेश दिया। मामले में अगली सुनवाई 27 सितंबर को होगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, सांसद/विधायक अदालत के विशेष न्यायाधीश देवेंद्र सिंह फौजदार ने अग्रवाल के खिलाफ गैर जमानती वारंट वापस लेने और 25,000 रुपए की दो जमानत देने के बाद उनको रिहा करने का आदेश दिया।

आरजी कर मामले में ममता बनर्जी का इस्तीफा राष्ट्रहित में होगा : विजयवर्गीय

भोपाल/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश के काबीना मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शुक्रवार को कहा कि अगर ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देती हैं तो यह देश और प्रदेश दोनों के हित में होगा।

कोलकाता के आरजी कर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में दुष्कर्म के बाद एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की हत्या के मामले में बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ रहा है। जूनियर डॉक्टरों ने इस घटना के विरोध में काम बंद कर रखा है। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने बातचीत का सीधा प्रसारण नहीं होने तक मुख्यमंत्री से मिलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह जनता की खातिर इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। विजयवर्गीय ने कहा, अगर बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देती हैं, तो यह देश और पश्चिम बंगाल, दोनों के हित में होगा। जिस दिन वह इस्तीफा दे देंगी, उस दिन से राज्य में मानवाधिकारों का संरक्षण हो सकेगा। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में जनता के साथ 'अमानवीय' और 'असंवैधानिक' कृत्य हो रहे हैं।

झामुमो नीत गठबंधन झारखंड में वोट बैंक के लिए बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रहा है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने उच्च न्यायालय को यह बताया है कि राज्य में अवैध बांग्लादेशी प्रवासी रह रहे हैं जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन सरकार अपने 'वोट बैंक' के लिए इस बात को नकार रही है।

केंद्र सरकार ने झारखंड उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति अरुण कुमार राय की खंडपीठ के समक्ष बृहस्पतिवार को दायर हलफनामे में कहा कि बांग्लादेशी अवैध रूप से साहेबगंज और पाकुड़ जिले के रास्ते झारखंड में घुस आए हैं। इसमें कहा गया कि आदिवासियों के 'ज्यादा धर्मांतरण करने और कम जन्म दर' के कारण जनजातीय आबादी में 'काफी कमी' आई है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि वे लंबे समय से इस मुद्दे को उठा रहे हैं लेकिन झामुमो नीत गठबंधन सरकार घुसपैठ के खतरे से इनकार करती रही है।

अमर बाउरी ने भाजपा के राज्य मुख्यालय में बृहस्पतिवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, ''झामुमो नेतृत्व वाली सरकार वोट बैंक और तुष्टिकरण की नीति के लिए झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने में लगी हुई है।''

बाउरी ने कहा, ''केंद्र के अनुसार 1961 में संथाल परगना की कुल जनसंख्या 23,22,092 थी, जिसमें हिंदू आबादी 90.37 प्रतिशत, मुस्लिम आबादी 9.43 प्रतिशत और आदिवासी आबादी 44.67 प्रतिशत थी।

सपा-बसपा गठबंधन टूटने को लेकर मायावती और अखिलेश के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। साल 2019 लोकसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का गठबंधन टूटने के मामले पर मायावती और अखिलेश यादव के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है।

बसपा प्रमुख मायावती ने अखिलेश के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि लोकसभा चुनाव-2019 में उत्तर प्रदेश में बसपा के 10 व सपा के पांच सीट जीतने के बाद गठबंधन टूटने के बारे में उन्होंने सार्वजनिक तौर पर भी यही कहा कि सपा प्रमुख ने उनके फोन का भी जवाब देना बंद कर दिया था। उन्होंने कहा, ''बीएसपी सैद्धान्तिक कारणों से गठबंधन नहीं करती और अगर बड़े उद्देश्यों को लेकर कभी गठबंधन करती है तो फिर उसके प्रति ईमानदार भी जरूर रहती है। सपा के साथ सन 1993 व 2019 में हुए गठबंधन को निभाने का भरपूर प्रयास किया गया, किन्तु 'बहुजन समाज' का हित व आत्म-सम्मान सर्वोपरि है।'' मायावती ने पार्टी द्वारा कार्यकर्ताओं के बीच बांटी जाने वाली 'बहुजन समाज पार्टी पुस्तिका' में सपा से गठबंधन टूटने के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी है। इससे पहले, बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम में जब पत्रकारों ने पूर्व मुख्यमंत्री यादव से बसपा की इस पुस्तिका में किए गए खुलासे के बारे में पूछा तो उन्होंने जवाब दिया, ''जिस समय गठबंधन टूटा, उस समय मैं आजमगढ़ में एक सभा में मंच पर था। सपा और बसपा के कार्यकर्ता व नेता वहां मौजूद थे। किसी को नहीं पता था कि गठबंधन टूटने जा रहा है। मैंने यह पूछने के लिए खुद फोन मिलाया था कि आखिरकार यह गठबंधन क्यों तोड़ा जा रहा है। बसपा नेता सतीश चंद्र मिश्रा ने यादव पर निशाना साधा। उन्होंने शुक्रवार को 'एक्स' पर लिखा,''मैं सभी को यह बताना चाहता हूं कि 2019 के लोकसभा आम चुनाव में बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के गठबंधन टूटने की वजह सपा मुखिया खुद हैं। उन्होंने कहा कि बहनजी (मायावती) के फोन करने से पहले उन्होंने खुद सपा प्रमुख को फोन किया, लेकिन बात नहीं हो पाई।

मिश्रा ने कहा कि इसके बाद पार्टी कार्यालय से फोन किया गया और एक बार फिर सपा प्रमुख से बात नहीं करायी गई।

मिश्रा ने कहा कि फिर भी बसपा प्रमुख ने बड़े होने के नाते सपा प्रमुख को फोन करके हौसला बढ़ाने की कोशिश की थी लेकिन उन्होंने बात नहीं की। उन्होंने कहा कि इस सबके परिणामस्वरूप बसपा को गठबंधन तोड़ना पड़ा।

अदाणी मामले की जांच अपने नियंत्रण में ले उच्चतम न्यायालय : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय को अदाणी समूह से जुड़ी जांच का नियंत्रण अपने हाथ में लेना चाहिए तथा 'घोटाले' की पूरी जांच के लिए तत्काल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन होना चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह मांग करने के साथ ही एक खबर का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया है कि स्विट्जरलैंड की एक सरकारी संस्था ने अदाणी समूह से जुड़े एक व्यक्ति के 31.1 करोड़ डॉलर (2,610 करोड़ रुपए) वाले पांच बैंक खातों से लेन-देन पर रोक लगा दी है। अमेरिकी संस्था 'हिंडेनबर्ग रिसर्च' की रिपोर्ट में अदाणी समूह पर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे और इसको लेकर कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर निरंतर हमले कर रही है। अदाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज किया है। रमेश ने एक बयान में कहा, ''खबरों से पता चला है कि स्विस लोक अभियोजक कार्यालय ने स्विट्जरलैंड के धनशोधन रिपोर्टिंग कार्यालय की जांच के बाद लंबे समय से अदाणी के विश्वासपात्र चांग चुंग-लिंग के 31.1 करोड़ डॉलर (2,610 करोड़ रुपए) वाले पांच खातों को 'फ्रीज' (लेन-देन पर रोक) कर दिया है।''

ओडिशा सरकार गोहत्या निवारण अधिनियम में संशोधन करेगी : मुख्यमंत्री माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को घोषणा की कि पशु क्रूरता को कम करने के लिए उनकी सरकार की योजना ओडिशा गोहत्या निवारण अधिनियम, 1960 में संशोधन करने की है। उन्होंने यह टिप्पणी पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय द्वारा आयोजित 'मानसून मीट' के दौरान की।

माझी ने गांवों में पशुपालन का दायरा बढ़ाकर, पशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर, मत्स्यपालन और मधुमक्खी पालन के जरिये छोटे-सीमांत किसानों के जीवनस्तर में सुधार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, '' नई सरकार को अभी अपने शुरुआती 100 दिन पूरे करने हैं, लेकिन ओडिशा ने सभी क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलावों के लिए एक खाका तैयार कर लिया है, जिसका लक्ष्य तत्काल और दीर्घकालिक विकास दोनों है।''

माझी ने कहा कि दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उनकी सरकार ने 'मुख्यमंत्री कामधेनु योजना' बनाई है जिसके तहत अगले पांच साल में 1,423.47 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''इस पहल से छोटी डेयरी इकाइयों को सहायता मिलेगी, बछड़ों के लिए रियायती दर पर चारा उपलब्ध होगा, पशुधन बीमा कवरेज में वृद्धि होगी तथा डेयरी सहकारी समितियों को मजबूती मिलेगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा ओडिशा ने राज्य दुग्ध सहकारी समितियों को मजबूत करने और दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य एनडीडीबी के साथ मिलकर बेहरामपुर में एक टीका उत्पादन इकाई और भुवनेश्वर में एक अत्याधुनिक फीड विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए भी सहयोग कर रहा।

ओडिशा सरकार ने पुरी समुद्र तट पर शराब परोसने से जुड़ा फैसला वापस लिया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने पुरी समुद्र तट पर शराब परोसने के लिए झोपड़ियां (शैक) स्थापित करने का अपना निर्णय को वापस ले लिया है। पुरी शंकराचार्य और विभिन्न सामाजिक सांस्कृतिक संगठनों ने सरकार के इस कदम का विरोध किया था। आबकारी विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया कि पुरी नगर पालिका के अधिकार क्षेत्र में या किसी सामाजिक-धार्मिक या सांस्कृतिक महत्व के स्थल के पांच किलोमीटर के दायरे में समुद्र तट पर बनी झोपड़ियां (शैक) को शराब का लाइसेंस नहीं दिया जाएगा। तीस अगस्त को घोषित राज्य की नई आबकारी नीति में पर्यटकों के मनोरंजन और राजस्व को बढ़ाने के लिए समुद्र, नदियों, झीलों और बांधों के पास स्थापित झोपड़ियां को शराब परोसने की अनुमति दी गई थी। यह विवाद तब उत्पन्न हुआ जब ओडिशा पर्यटन विकास निगम ने समुद्र तट पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पुरी से कोणार्क तक समुद्र तट पर शराब परोसने वाली झोपड़ियां स्थापित करने के लिए बोलियां आमंत्रित की।

मृदा के तेज आकलन के लिए प्रभावी है डीआरएस मॉडल: आईआईटी खड़गपुर अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर द्वारा इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर द सेमी-अरिड टॉपिक्स हैदराबाद के सहयोग से किए गए एक अध्ययन ने मिट्टी के तेज आकलन के लिए डिफ्यूज रिफ्लेक्टेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी (डीआरएस) मॉडल की दक्षता को मान्य किया है। आईआईटी खड़गपुर ने एक बयान में कहा कि डीआरएस पद्धति 17 मृदा मापदंडों में से 8 का अनुमान लगाने में 80 प्रतिशत तक की सटीकता के साथ प्रभावी पाई गई।

राम मंदिर में सफाईकर्मी के रूप में काम करने वाली छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, पांच लोग गिरफ्तार

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर में सफाई कर्मी के रूप में काम करने वाली 20 वर्षीय एक युवती द्वारा नौ लोगों पर कथित रूप से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाये जाने के बाद पुलिस ने अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पीड़िता बीए अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रही है। अयोध्या के कैंट थाने में छात्रा द्वारा दर्ज कराई गयी प्राथमिकी के अनुसार, 16 से 25 अगस्त के बीच तीन अलग-अलग मौकों पर उससे सामूहिक दुष्कर्म किया गया। कैंट के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अमरेंद्र प्रताप सिंह ने शुरू में 'पीटीआई-भाषा' को बताया था, प्राथमिकी दो सितंबर को दर्ज की गई और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार दोपहर को अयोध्या के पुलिस अधीक्षक (शहर) मधुवन सिंह ने दो और गिरफ्तारियों की पुष्टि की। सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किये लोगों की पहचान वंश, विनय, शारिक, शिवा और उदित के रूप में हुई है।

एआईएफएफ में आमूलचूल बदलाव करने का समय आ गया है: भूटिया

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) में मौजूदा पदाधिकारियों को बर्खास्त करने की मांग करते हुए हाल के दिनों में राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय संस्था को जिम्मेदार ठहराया। भूटिया ने एआईएफएफ की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि भारतीय फुटबॉल के लिए रोडमैप के अभाव के कारण हाल ही में तीन देशों के इंटरकॉन्टिनेंटल कप में भारत को घरेलू धरती पर सीरिया (0-3) के हाथों शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा और मॉरीशस (0-0) के खिलाफ मैच ड्रा रहा। पूर्व भारतीय कप्तान ने एआईएफएफ प्रशासन में आमूलचूल बदलाव की मांग की। उन्होंने पीटीआई वीडियो से कहा,''मेरा मानना है कि यह अच्छा संकेत नहीं है। पिछले कुछ समय से हमारे प्रदर्शन में लगातार गिरावट आ रही है। हम पहले शीर्ष 100 में शामिल थे लेकिन अब 125वें स्थान पर खिसक गए हैं। मुझे लगता है कि फुटबॉल को एक नए शासी निकाय और चुनाव तथा नई शुरुआत की जरूरत है। नहीं तो फुटबॉल में हमारा स्तर लगातार गिर रहा है।''

बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का अभ्यास, कोहली ने की लंबी बल्लेबाजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। एक महीने के ब्रेक के बाद भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की शृंखला के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है और पहले अभ्यास सत्र में चैम्पियन बल्लेबाज विराट कोहली ने नेट पर 45 मिनट बिताये जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी जमकर अभ्यास किया। बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट 19 सितंबर से खेला जायेगा। कप्तान रोहित शर्मा, कोहली समेत पूरी टीम यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम पर एकत्र हुई। नये गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल और सहायक कोच अभिषेक नायर भी मौजूद थे। बीसीसीआई ने पहले

दिन के अभ्यास की तस्वीरें साझा करके लिखा ,'' उलटी गिनती शुरू। टीम इंडिया ने रोमांचक घरेलू सत्र के लिए तैयारी शुरू कर दी।''

तस्वीरों में दिखाया गया है कि पूरी टीम गंभीर, सहयोगी स्टाफ और कप्तान रोहित की बात ध्यान से सुन रही है। एक स्थानीय सूत्र ने बताया ,'' विराट करीब 45 मिनट वहां था और बुमराह ने भी लगातार गेंदबाजी की।'' इससे पहले पीली जर्सी पहने रोहित सुरक्षाकर्मियों के घेरे में हवाई अड्डे से बाहर निकले जबकि विराट लंदन से सीधे तड़के यहां पहुंचे हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, बल्लेबाज केएल राहुल, विकेटकीपर बल्लेबाज पंत बृहस्पतिवार को ही यहां पहुंच गए थे। खिलाड़ी एक महीने से अधिक के ब्रेक के बाद मैदान पर लौटेंगे। अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में भारत को पराजय का सामना करना पड़ा था। नये कोच गौतम गंभीर के साथ यह पहली टेस्ट श्रृंखला है। बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान को टेस्ट श्रृंखला में 2.0 से हराया है। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है। भारत को इसके बाद न्यूजीलैंड से तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला और आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला खेलनी है।

सूर्यकुमार ने भारत के युवा खिलाड़ियों से कहा
खुद पर भरोसा रखें, आप सब विशिष्ट कौशल के धनी हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारत के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने शुक्रवार को यहां भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल खिलाड़ियों को अपने अद्वितीय कौशल का अच्छी तरह से इस्तेमाल करने, टीम के रूप में एकजुट होने और प्रक्रिया पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

खेल के सबसे छोटे प्रारूप से रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद भारत के टी20 कप्तान नियुक्त किए गए 33 वर्षीय सूर्यकुमार ने भारत की जूनियर टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 सितंबर से शुरू होने वाली शृंखला से पहले यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अंडर-19 क्रिकेटरों के साथ बातचीत की।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर पोस्ट किया,''भारत की लड़कों की अंडर-19 टीम में शामिल खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ शृंखला की तैयारियों के तहत राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपने शिविर के इतर भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ बातचीत करने का सुनहरा अवसर मिला।''

एनसीए के एक सूत्र ने कहा कि सूर्यकुमार ने लड़कों से कहा कि वे अपने अद्वितीय कौशल के साथ पूरा न्याय करें और प्रक्रिया पर भरोसा रखें।

सूर्यकुमार ने कहा,''आप जैसे हो हमेशा वैसे ही बने रहना। आप में से प्रत्येक के पास एक विशिष्ट कौशल है और उसके साथ पूरा न्याय करें। प्रक्रिया और दिनचर्या पर अधिक ध्यान केंद्रित करें। परिणाम स्वयं ही आपके अनुकूल होगा।''

टीम में भारत के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ भी हैं। उत्तर प्रदेश के मोहम्मद अमान एक दिवसीय टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि सोहम पटवर्धन चार दिवसीय मैचों में टीम का नेतृत्व करेंगे।

भारत अंडर-19 टीम पुडुचेरी में 21, 23 और 26 सितंबर को 50 ओवर के तीन मैचों में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 से भिड़ेगी। इसके बाद 30 सितंबर से चेन्नई में दो चार दिवसीय मैच होंगे।

सुविचार

जिंदगी में मंज़िले तो मिल ही जाती हैं, लेकिन वो लोग नहीं मिलते जिन्हें दिल से चाहा हो!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अवैध धर्मांतरण रोकें

उत्तर प्रदेश में एनआईए की विशेष अदालत ने अवैध धर्मांतरण के मामले में एक दर्जन लोगों को दोषी करार देकर ऐसे कृत्यों में लिप्त लोगों / संगठनों को कड़ा संदेश दिया है। अदालत ने 12 लोगों को उम्रकैद और चार अन्य दोषियों को 10-10 साल कैद की सजा सुनाई। हमें अब इस तथ्य को स्वीकार करना होगा कि अवैध धर्मांतरण एक गंभीर समस्या है। यह देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए तो खतरा है ही, इससे सामाजिक सद्भाव भी खतरे में पड़ जाता है। भारत में हर नागरिक को स्वतंत्रता है कि वह अपनी आस्था का पालन करते हुए जीवन बिताए। इसके साथ उसका कर्तव्य है कि वह दूसरों की आस्था का भी सम्मान करे। यहां हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी, यहूदी समेत सभी धर्मों के ज्यादातर अनुयायी एक-दूसरे की आस्था का सम्मान करते हैं। ऐसे अनेक उदाहरण मौजूद हैं, जब विभिन्न समुदायों के लोग 'सेवा' और 'मानवता' जैसे आदर्शों के लिए एकजुट हुए। ऐसे कार्यों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, लेकिन जो लोग 'मदद' के नाम पर धर्मांतरण का 'कपट धंधा' करते हैं, उन्हें दंड मिलना चाहिए। कोई व्यक्ति बीमार है, उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, घर में अनाज नहीं है, उसके बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए कोई व्यवस्था नहीं है ... क्या उसकी मदद इसी शर्त पर करनी चाहिए कि वह अपनी आस्था को छोड़े और धर्मांतरण कर ले? फिर तो यह 'सेवा' नहीं, बल्कि 'सौदा' है और बहुत बुरा सौदा है। छल-कपट, लालच, धोखे और बहला-फुसलाकर धर्मांतरण कराने से कालांतर में कई समस्याएं पैदा होती हैं। प्राय: धर्मांतरण कराने के लिए संबंधित व्यक्ति के मन में उसके पूर्वजों, मान्यताओं और आस्था के खिलाफ कई भ्रामक बातें भर दी जाती हैं। क्या इससे सामाजिक सद्भाव नहीं बिगड़ेगा?

कुख्यात आतंकवादी संगठन आईएसआईएस जब अपनी क्रूरता के चरम पर था, तब यूरोप समेत दुनिया के कई इलाकों से नौजवान उसमें भर्ती होने के लिए इराक व सीरिया गए थे। उनमें से कई तो अमेरिकी नेतृत्व वाले सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए। जो किसी तरह बच गए और कैद कर लिए गए, मीडिया में उनके साक्षात्कार प्रसारित किए गए। पता चला कि उनमें बहुत युवा ऐसे थे, जिनका पहले आतंकवाद से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं था। वे अपनी पढ़ाई करते, कामकाज करते। इसी दौरान वे ऐसे लोगों के संपर्क में आए, जिन्होंने दुष्प्रचार कर उनका ब्रेनवॉश कर दिया। कई युवा ऐसे भी थे, जिन्होंने कुछ महीने / साल पहले धर्मांतरण किया था। उनके मन में अन्य समुदायों के खिलाफ नफरत भरी गई थी। जो लोग ऐसे 'चक्कर' में जल्दी फंस जाते हैं, उनमें से ज्यादातर वे होते हैं, जिन्हें घर-परिवार या समाज में कोई सही मार्गदर्शन देने वाला नहीं होता। किशोरों / युवाओं और बुजुर्गों के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं। बच्चों की शिकायत यह होती है कि बड़े हमारी बात समझना नहीं चाहते और बड़ों की शिकायत यह होती है कि आजकल के बच्चे उन 'नियम-कायदों' से दूर हो रहे हैं, जो हमारे 'ज़माने' में थे! इन दूरियों का फायदा कोई 'तीसरा' उठाता है। एक कड़वी हकीकत यह है कि समाज में जिन लोगों को किसी सलाह / मार्गदर्शन की जरूरत होती है, वह उन्हें आसानी से नहीं मिलती। उदाहरण के लिए- एक किशोर, जिसके परिवार में ज्यादातर लोग कामकाजी हैं, किसी दिन सोशल मीडिया पर ऐसा वीडियो देखता है, जिसमें उसकी आस्था पर सवाल उठाए जाते हैं। क्या सच में ऐसा है? वह इसका जवाब माता-पिता से हासिल करना चाहता है, लेकिन उनके पास समय नहीं है। वे कहते हैं कि 'ऐसी बातें बंद कर, पढ़ाई पर ध्यान दे।' बुजुर्गों से पूछता है तो वे कहते हैं कि 'कैसा ज़माना आ गया! ऐसी बातें नहीं सोचनी चाहिएं।' उसके दोस्तों में भी ऐसा कोई नहीं, जो संतोषजनक जवाब दे सके। स्कूल में अध्यापकों पर पाठ्यक्रम पूरा कराने का दबाव है। आखिर में वह बच्चा ऐसे ही किसी 'चक्कर' में फंसता है। क्या हम अपने मंदिरों को पूजा-पाठ के साथ ही सर्वसमाज को एकजुट रखने के केंद्र नहीं बना सकते? वहां हर हफ्ते स्वास्थ्य, परिवार, शिक्षा, वित्तीय मामलों, कानूनी मामलों, निजी समस्याओं के समाधान के लिए परामर्श सत्रों का आयोजन किया जा सकता है। समाज के समृद्ध लोगों को भी आगे आना चाहिए। याद रखें, आपकी संपत्ति व समृद्धि तब तक ही सुरक्षित हैं, जब तक समाज सुरक्षित है। सियालकोट, पेशावर, क्वेटा, लाहौर, कराची, रावलपिंडी जैसे शहरों में आलीशान हवेलियां बनाकर सदियों से रहने वाले धनपतियों को जब यह बात समझ में आई, तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को गहलोत जी द्वारा सम्मान मिल रहा है। गोपाल केसावत, पूर्व चेयरमैन राजस्थान घुमंतू बोर्ड, एसीबी द्वारा व्झड्उ परीक्षा में रिश्वत लेते पकड़े गए हैं, और वे आज गहलोत जी के साथ हैं।

-मदन राठौड़

लीलण घोड़ी सोवणी मोतीया जड़ी लगाम। खरनालीया तेजो जी थाने झुक झुक प्रणाम।। सामाजिक समरसता के पक्षधर एवं गौ रक्षक परम आराध्य लोक देवता वीर तेजा जी महाराज की तेजा दशमी के अवसर पर उनके चरणों में मेरा कोटिशः नमन।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

सत्यता की परीक्षा

स्वामी विवेकानंद अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस के अनन्य भक्त थे। लेकिन वे केवल उन्हीं बातों को स्वीकार करते थे, जो उन्हें तार्किक लगती थीं। यदि कोई बात उन्हें उचित नहीं लगती थी, तो वे तुरंत प्रश्न-प्रतिप्रश्न किया करते थे। दरअसल, स्वामी रामकृष्ण परमहंस कहा करते थे कि धन उन्हें स्वीकार्य नहीं है। धन उन्हें मानसिक और शारीरिक कष्ट दोनों देता है। स्वामी विवेकानंद ने इस बात की परीक्षा लेने का निर्णय किया कि क्या वाकई परमहंस जी को धन से कष्ट होता है? एक बार विवेकानंद जी ने चुपके से एक सिक्का परमहंस जी के बिस्तर के नीचे छिपा दिया। जब परमहंस जी बिस्तर पर लेटे, तो उन्हें शारीरिक कष्ट महसूस हुआ और वे बिस्तर से उठ गए। उनके शिष्यों ने बिस्तर को झाड़ा तो वह सिक्का नीचे गिर गया। फिर जब रामकृष्ण परमहंस जी बिस्तर पर पुनः बैठे, तो उन्हें अब कोई कष्ट नहीं हुआ। स्वामी विवेकानंद ने अन्य शिष्यों के साथ इस घटनाक्रम को देखा और इस घटना के बाद उनके मन में अपने गुरु के प्रति आस्था और अधिक बढ़ गई।

सामयिक

निरंतर बढ़ रही है हिन्दी की ताकत

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

हिन्दी भाषा को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिवर्ष 14 सितम्बर का दिन हिन्दी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। प्रत्येक भारतीय के लिए यह गर्व की बात है कि दुनियाभर में अब हिन्दी को चाहने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डा. फादर कामिल बुल्के ने संस्कृत को मां, हिन्दी को गृहिणी और अंग्रेजी को नौकरानी बताया था। आयरिश प्रशासक जॉन अब्राहम ग्रियर्सन को भारतीय संस्कृति और यहां के निवासियों के प्रति अगाध प्रेम था, जिन्होंने हिन्दी को संस्कृत की बेटियों में सबसे अच्छी और शिरोमणि बताया था। दूसरी ओर हमारे ही देश में कुछ लोग कुतर्क देते हैं कि भारत सरकार योग को तो 177 देशों का समर्थन दिलाने में सफल हो गई लेकिन हिन्दी के लिए 129 देशों का समर्थन भी नहीं जुटा सकी और इसे अब तक संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनाने में भी सफलता नहीं मिली। हालांकि इस प्रकार की नकारात्मक बातों से न हिन्दी का कुछ भला होने वाला है और न ही उसका कुछ बिगड़ने वाला है। ऐसे व्यक्ति हिन्दी की बढ़ती ताकत का यह सकारात्मक पक्ष बहुत चालाकी से नजरअंदाज कर देते हैं कि आज विश्वभर में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं।

मातृभाषा के ज्ञान के बिना हृदय की पीड़ा का निवारण संभव नहीं है। देश-विदेश के बड़े-बड़े विद्वानों ने हिन्दी भाषा के महत्व को समय-समय पर अपने शब्दों में व्यक्त किया है। पुरुषोत्तमदास टंडन मानते थे कि जीवन के छोटे से छोटे क्षेत्र में भी हिन्दी अपना दायित्व निभाने में समर्थ है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनसम्पर्क के लिए हिन्दी को ही सबसे उपयोगी भाषा मानते थे। हिन्दी भाषा के महत्व को स्वीकारते हुए वह कहा करते थे कि सम्पूर्ण भारत के परस्पर व्यवहार के लिए ऐसी भाषा की आवश्यकता है, जिसे जनता का बड़ा भाग पहले से ही जानता-समझता है और राज व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिए आवश्यक है। गांधी जी कहते थे कि दिल की कोई भाषा नहीं है, दिल दिल से बातचीत करता है और राष्ट्रभाषा के बिना एक राष्ट्र गूंगा है। अमेरिका के जाने-माने चिकित्सक वॉल्टर चेनिंग का कहना था कि विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र के राजकाज और शिक्षा की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है। माखनलाल चतुर्वेदी हिन्दी को देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत मानते थे जबकि राहुल सांस्कृत्यायन के अनुसार संस्कृत की विरासत हिन्दी को जन्म से ही मिली है। बालकृष्ण शर्मा नवीन' का कहना था कि राष्ट्रीय एकता की कड़ी हिन्दी ही जोड़ सकती है।

महात्मा गांधी के हिन्दी प्रेम को परिभाषित करता वर्ष 1917 का एक ऐसा किस्सा सामने आता है, जब कलकत्ता में कांग्रेस अधिवेशन के मौके पर बाल गंगाधर तिलक ने राष्ट्रभाषा प्रचार संबंध कांफ्रेंस में अंग्रेजी में भाषण दिया था और गांधी जी ने उनका वह भाषण सुनने के पश्चात उन्हें हिन्दी का महत्व समझाते हुए कहा था कि वह ऐसा कोई कारण नहीं समझते कि हम अपने देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में बात न करें। गांधी जी ने कहा था कि अपने लोगों के दिलों तक हम वास्तव में अपनी ही भाषा के जरिये पहुंच सकते हैं। दरअसल हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतीय को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाती है। बहुत सारे देशों में अब वहां की स्थानीय भाषाओं के साथ हिन्दी भी बोली जाती है। इसके अलावा दुनिया के सैंकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है और यह वहां अध्ययन, अध्यापन तथा अनुसंधान की भाषा भी बन चुकी है।

दुनियाभर में अब करीब 75 करोड़ व्यक्ति हिन्दी बोलते हैं और जिस प्रकार वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी की स्वीकार्यता निरन्तर बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह कहना असंगत नहीं होगा कि अब वह दिन ज्यादा दूर नहीं, जब हमारी राजभाषा हिन्दी चीन की राजभाषा चीनी को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच जाएगी। विश्वभर में हमारी हिन्दी फिल्म 'इंडस्ट्री बॉलीवुड' का नाम है, जहां हर साल करीब डेढ़ हजार फिल्में बनती हैं और ये फिल्में भारत के अलावा विदेशों में भी खूब पसंद की जाती हैं।

यही कारण है कि बॉलीवुड सितारे अक्सर अपनी फिल्मों के प्रचार-प्रसार के लिए अब विदेशों में शो आयोजित करते हैं। यूएई में हिन्दी एफएम चैनल वहां के लोगों की खास पसंद हैं। जब हम ऐसे-ऐसे देशों में भी हिन्दी को भरपूर प्यार, स्नेह, सम्मान मिलता देखते हैं, जो अपनी मातृभाषाओं को लेकर बेहद संवेदनशील रहते हैं और उसे अपनी सांस्कृतिक अस्मिता से जोड़कर देखते हैं तो यह वाकई हम भारतीयों के लिए गौरवान्वित करने वाली उपलब्धि ही है। आज दुनिया का हर वह कोना, जहां भारतवंशी बसे हैं, वहां तो हिन्दी धूम मचा ही रही है। तो आइए, आज हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी भाषा और हिन्दी साहित्य को सर्वांगसुंदर बनाने का संकल्प लेकर डा. राजेन्द्र प्रसाद के इसी सपने को साकार करने का हरसंभव प्रयास करें।

चिंतन

राष्ट्रभाषा हिंदी और मातृभाषा में शिक्षा समय की मांग

मुनि अक्षयसागर महाराज

राष्ट्रीय हिंदी दिवस का इतिहास 14 सितंबर, 1949 से शुरू होता है। इस दिन, भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि को आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में अपनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। हिंदी दिवस को मनाने के पीछे एक कारण यह है कि देश में अंग्रेजी भाषा के बढ़ते चलन और हिंदी की उपेक्षा को रोकना है। आपको बता दें कि महात्मा गांधी ने हिंदी को जन-जन की भाषा भी कहा था। जॉर्ज ऑखेरू, प्रसिद्ध ब्रिटिश लेखक ने लिखा है- किसी राष्ट्र की संस्कृति और पहचान को नष्ट करने का सुनिश्चित तरीका है , उसकी भाषा को हीन बना देना। जयप्रकाश नारायण ने लिखा था कि- मेरा सुनिश्चित मत है कि विदेशी भाषा अनिवार्य रहते हमारे शिक्षार्थियों में स्वाभिमान का विकास नहीं हो सकता। स्वतंत्र भारत में अंग्रेजी को अनिवार्य रखना राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतिकूल है। सुप्रसिद्ध पत्रकार और लेखक डॉ वेदप्रताप वैदिक ने अपने एक लेख में लिखा कि- स्वतंत्र भारत में अंग्रेजी के एकाधिकार शाही को छोड़कर अन्य विदेशी भाषाओं का सम्मान किया होता तो हमारा व्यापार कम से कम दस गुना अधिक होता, देशी भाषा को योग्य सम्मान मिला होता तो अपना देश सही मायने में एक आधुनिक, शक्तिशाली, समृद्ध और सही-सही लोकशाही राष्ट्र बना रहता और आजतक जो नुकसान हुआ उससे कई गुना कम नुकसान हुआ होता।

हमारी भाषा हमारी संस्कृति, गाथाएं, और इतिहास का प्रतीक है। हिंदी का सही ज्ञान हमें हमारे देश की धरोहर को समझने में मदद करता है और हमारे बच्चों को हमारे संस्कृति के मूल मूल्यों को सीखने में मदद करता है। जन्म भाषा में शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक नागरिक का जन्म सिद्ध अधिकार है। नवीनतम शोध में पाया गया है कि जिस भाषा में मां गर्भकाल में गर्भस्थ शिशु से बात करती है, जिस भाषा में बच्चा सोचता है, जिस भाषा में सपने देखता है , जिस भाषा में वह जन्म से संवाद करना सीखता है, यदि उसी भाषा में शैशव और किशोर अवस्था में बच्चे की शिक्षा हो तो उसका मानसिक विकास इतना अच्छा होता है कि वह उच्च शिक्षा के सभी विषय ज्यादा अच्छी तरह से ग्रहण करने में सक्षम होता है। तब उसे ज्ञान को रटना नहीं होता है। वह सही मायने में ज्ञान को ग्रहण करता है जो कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है।

मातृभाषा से भिन्न भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने पर बच्चों की अधिकांश ऊर्जा और समय उस भाषा को सीखने में व्यय होता है। समय और शक्ति के अभाव में वह अन्य विषयों में स्वाभाविक रुचि नहीं ले पाता, परिणामस्वरूप थकान और तनाव हो जाता है, उसका स्वाभाविक और सर्वांगीण विकास नहीं हो पाता है। इसलिए आज मातृभाषा में शिक्षा सबसे पहली आवश्यकता है।

हमारी राजभाषा हिंदी 770000 स्वयं के शब्दों से समृद्ध है। हिंदी सिर्फ़ एक भाषा नहीं है; यह एक सांस्कृतिक खजाना है जो हमें हमारी जड़ों और परंपराओं से जोड़ता है। यह एक ऐसी भाषा है जो सदियों से विकसित हुई है और जिसने विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के प्रभावों को आत्मसात किया है। यह एक ऐसी भाषा है जिसकी साहित्यिक विरासत समृद्ध और विविध है, जो प्राचीन महाकाव्यों और भक्ति कविताओं से लेकर आधुनिक उपन्यासों और उत्तर आधुनिक लेखन तक फैली हुई है। यह एक ऐसी भाषा है जो भारतीय लोगों के इतिहास, संस्कृति और मूल्यों और अन्य सभ्यताओं के साथ उनके संबंधों को दर्शाती है।

अंग्रेजी भाषा का विरोध क्यों?

अंग्रेजी या किसी भी भाषा का विरोध नहीं है पर वह शिक्षा का माध्यम न होकर एक विषय के रूप में पढ़ाई जानी चाहिए। जो भाषा मात्र तीन महीने में सीखी जा सकती है। उसके लिए बच्चे का बचपन छीन लेना कहाँ की बुद्धिमानी है। उसके लिए इतना बड़ा और इतना महंगा तंत्र खड़ा करने का अपव्यय क्यों? अपनी भाषा और संस्कृति की कीमत पर अंग्रेजी का विकास क्यों?

एक आधुनिक समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र की उन्नति में मातृभाषा की क्या भूमिका हो सकती है इसकी जानकारी हमारे नेताओं को आज भी नहीं है। उनकी अज्ञानता के कारण स्वतंत्रता के 76 वर्ष वर्ष उपरांत भी हमारी शिक्षण पद्धति, नौकरशाही, संचार माध्यम, न्यायालय और संसद में अंग्रेजी का ही वर्चस्व है। अंग्रेजी के वर्चस्व से देश का प्रचंड नुकसान हुआ है। परायी भाषा के पीछे घूमते रहने से देश महाशक्ति कैसे बन सकता है? आज तक जितने भी राष्ट्र महाशक्ति बने हैं वे मातृभाषा के द्वार खोले हुए हैं, उन्होंने एक नहीं अपितु अनेक विदेशी भाषाओं की खिड़कियां खोली हैं।

यह एक भ्रांत धारणा है कि अंग्रेजी भाषा के बिना तकनीकी विषय नहीं पढ़ाए जा सकते। चीन, जर्मनी, फ्रांस, सोवियत रूस में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी न होकर वहां की मातृभाषाएं हैं। लेकिन तकनीकी विकास में किसी तरह से इंग्लैंड, अमेरिका से कम नहीं हैं। विश्व के 77 देश कभी अंग्रजों के गुलाम थे, आज वे सभी स्वतंत्र हो चुके हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत सभी ने शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी को नहीं अपनी मातृभाषा को ही अपनाया है। तो क्या अंग्रेजी के अभाव में इन देशों में सब बेरोजगार ही रह जाते हैं? जिस देश की युवा आबादी में विदेशी भाषा के माध्यम से किसी का नौकर हो जाने की ख्वाहिश हो, अपना व्यवसाय करके मालिक बनने की चाहत ही न हो, उद्यमशीलता ही न हो, तो क्या वह देश कभी वास्तविक विकास कर सकता है?

आज विश्व के सभी देश अपने देश में अंग्रेजी के प्रभाव कम करने के लिए प्रयत्नशील हैं लेकिन हम हैं अंग्रेजी के दीवाने, पाश्चात्य सभ्यता के नशे में डूबे हुए हैं, इस भाषा के साथ आने वाली गुलामी को नहीं देख पा रहे हैं और जानबूझकर इस भाषा के प्रभाव को बढ़ाते ही चले जा रहे हैं। यदि आपके बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में पढ़ रहे हैं और स्कूल में आपस में हिंदी, मराठी, कन्नड़ में बातचीत करने पर उन्हें दंडित किया जाता है तो ऐसे दंड का जोरदार विरोध होना चाहिए। जब तक अगली पीढ़ी को शिक्षण संवाद में अंग्रेजी शब्दों के प्रयोग से पढ़ाते रहेंगे, यह समस्या खत्म न होगी। हिंदी और अन्य प्रांतीय भाषाओं को विकृत करने में अंग्रेजी का निर्णायक योगदान रहा है।

जीवन निर्वाह नहीं, निर्माण हो शिक्षा का उद्देश्य

नई शिक्षा नीति में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने शिक्षा का ध्येय बताया कि हित का सृजन और अहित का विसर्जन यही शिक्षा का ध्येय है, शिक्षा का उद्देश्य जीवन निर्वाह नहीं, जीवन निर्माण है। विद्या अर्थकारी नहीं, पर्मार्थकारी होना चाहिए। शिक्षा का कार्य संस्कारों के संरक्षण के साथ भविष्य का विकास करना है। ज्ञान भाषात्मक नहीं, भावनात्मक होना चाहिए।

हिंदी राष्ट्र की रीढ़ है :

हिंदी हमारे राष्ट्र की रीढ़ है। हर नागरिक को अपनी दुकान नाम हिंदीं या मातृभाषा में लिखना चाहिए। अंकों के स्वरूप भी भारतीय हो। प्रत्येक कार्यालयों में हिंदी भाषा में ही कामकाज हो। संवाद भी हिंदी भाषा में हो। हिंदी एक भाषा से कहीं बढ़कर है; यह भारत की समृद्ध और विविध संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति है। यह एक ऐसा पुल है जो अतीत और वर्तमान, स्थानीय और वैश्विक, प्राचीन और आधुनिक को जोड़ता है। हिंदी न केवल एक राष्ट्रीय भाषा है, बल्कि एक रचनात्मक भाषा भी है जो लोगों को अपने विचारों, भावनाओं और सपनों को व्यक्त करने के लिए प्रेरित करती है। हिंदी भारत की भाषा है और दुनिया की भाषा है।

हिन्दी जन-जन की भाषा :

नई शिक्षा का माध्यम हिन्दी बना दिया जाय तो देश में हिंदी को नए आयाम स्थापित करते देर नहीं लगेगी। हिन्दी के प्रचार प्रसार में सरकारी व निजी शिक्षा संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों तथा आम जनता का सहयोग अपेक्षित होगा। हिन्दी दिवस मनाने से राष्ट्रभाषा संवृद्ध होगी। हिन्दी जन जन की भाषा बनेगी। और हिन्दी को अपना स्थान मिल सकेगा। देश में राष्ट्रीय भावना का संचार होगा। और देश निश्चित दिशा की ओर अग्रसर होगा।परन्तु देखने में आता है कि हर साल सितम्बर का महीना हिन्दी के नाम होता है और बाकि के 11 महीने अंग्रेजी को समर्पित। ऐसे में हिन्दी को जनभाषा के रूप में प्रतिष्ठापित किये जाने की जो कवायद है, वह आयोजनों तक ही रह गई है। स्वतंत्र राष्ट्र में राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय वेश तो प्रतीकात्मक रूप से राष्ट्र की पहचान हैं।

वास्तव में राष्ट्रभाषा ही राष्ट्र की धमनियों में संचारित होने वाली राष्ट्रीयता की जीवंत धारा, रुधिर धारा है। राष्ट्रभाषा के बिना जन-जन का न तो पारस्परिक सम्पर्क संभव है और न देशवासियों में एकता की भावना ही पनप सकती है। विदेशी भाषा के माध्यम से स्वदेशी भावना का प्रचार आकाश कुसुम सूंघने का प्रयास करना है। हिंदी के महत्व को समझकर हमें इसे बचाने और बढ़ावा देने का प्रतिबद्ध रहना चाहिए. हमें विद्यालयों, कार्यालयों, न्यायालयों और समाज में हिंदी का उचित प्रयोग करना चाहिए ताकि यह भाषा हमें हमेशा जोड़े रहे और हमारी राष्ट्रीय भाषा के रूप में आगे बढ़ सके। इसी तरह, हिंदी दिवस हमें हमारे देश के सांस्कृतिक धरोहर के प्रति समर्पित और जागरूक बनाता है, और हमें यह याद दिलाता है कि हमारी मातृभाषा हमारी गर्व और पहचान का प्रतीक है।

नजरिया

हिंदी को समर्पित रहे विदेशी फादर कामिल बुल्के

नंदकिशोर अग्रवाल

मोबाइल : 9945395760

किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी भाषा और संस्कृति से होती है, जिस की छांव में लोग पले-बढ़े होते हैं। हमारे देश की मूल भाषा हिन्दी है जो संपूर्ण भारत को एक सूत्र में जोड़ती है। हिन्दी को लेकर लोगों की बढ़ती रुची को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और आज देश में इसका जो स्थान है उसे नकारा भी नहीं जा सकता। हिन्दी ही आज एक मात्र ऐसी भाषा है जो देश भर में बोली जाती है। दो अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले लोग आपस में हिन्दी में बात करते हैं। अंग्रेजी का प्रयोग केवल पढ़े लिखे लोग ही करते देखे गए हैं। हिन्दी एक क्षेत्र की नहीं, यह देश को जोड़ती है। अधिकतर भारतीय हिन्दी बोलते या समझते हैं।

सारी भारतीय भाषाएं हमें अपनी अस्मिता का

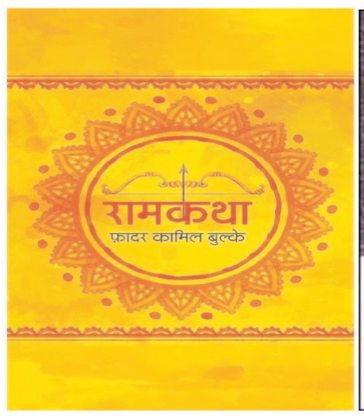

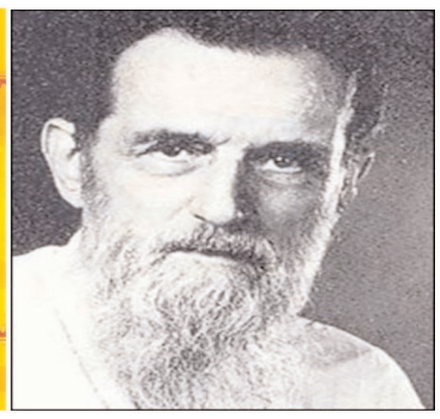

बोध करवाती हैं तथा सब भारतीयता से जोड़ती हैं। देश की सभी भाषाओं का समृद्ध होना विविधता और संस्कृति के लिए बहुत जरूरी है। हिंदी जनमानस की भाषा है अतः इसे राष्ट्रभाषा बनना चाहिए। यही बात 1918 में गांधी जी ने कही थी। कर्मस्थली और कर्म भूमि का मतलब है वहां की मिट्टी से जुड़ना। अत: वहां की स्थानीय भाषा में रचना-बसना होगा और वहीं की भाषा का आलिंगन दिलोजान से करना। फादर कामिल बुल्के ने अपने जीवन में ऐसा ही कुछ किया। उहोंने भारत आकर रोम-रोम में हिंदी को बसा लिया। भारतीय भाव को कामिल ने हिंदी के माध्यम से गले लगाया। मां भारती की भाषा हिंदी को समृद्ध करने में उनका अद्वितीय योगदान रहा है। वे ऐसे पादरी थे, जो ईसाई धर्म का प्रचार करने भारत आए थे और यहां आकर बन गए राम व हिंदी के प्रशंसक।

बेल्जियम में जन्मे 'फादर कामिल बुल्के' बेल्जियम से ईसाई धर्म-प्रचार के लिए मिशनरी के रूप में भारत आए थे, लेकिन भारत आकर हिंदी, तुलसी और बाल्मीकि के रंग में रंग गए। यहां तक कि उन्होंने 'राम कथा' लिख डाली। उन्होंने 'अंग्रेजी हिंदी शब्द कोश' तैयार कर हिंदी भाषा को एक अनूठी सौगात दी। शिक्षा के क्षेत्र में भारत द्वारा 1974 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। बेल्जियम ने इस अवसर पर हिंदी की एक डाक टिकट जारी की, जिस पर हिंदी में लिखा था- 'एक दूसरे को लिखें।'

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पूक्कलम

पूरे देश में केरल मूल के निवासी 15 सितम्बर को ओणम मनाएंगे। इसके मद्देनजर बेंगलूरु के सरजापुर रोड मके करमलराम में रेश्मा रेनी के निवास पर केरल की महिलाएं पूक्कलम (पुष्पकला से रंगोली) बनाते हुए।

मेरे पिता 1984 में अपहृत विमान में सवार थे : जयशंकर

जिनेवा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को खुलासा किया कि उनके पिता 1984 में अपहृत विमान में सवार थे और कहा कि ऐसी परिस्थितियों में उनके पास दोनों पक्षों परिवार के सदस्यों और सरकार में बैठे लोगों के दृष्टिकोण को लेकर एक अनोखा नजरिया था। जयशंकर यहां एक कार्यक्रम के दौरान 1999 में आईसी814 के अपहरण पर हाल में जारी टेलीविजन सीरीज के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। जयशंकर ने कहा, कैसे एक युवा अधिकारी के रूप में मैं उस टीम का हिस्सा था, जो अपहरण के मामले से निपट रही थी। भारतीय समुदाय को संबोधित करने के बाद प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान, श्रोताओं में से एक ने मंत्री से 'नेटफ्लिक्स' पर हाल में आई सीरीज 'आईसी814: द कंधार हाईजैक' पर उनकी टिप्पणी मांगी थी।

क्या है 'मिशन मौसम' और क्यों है इसकी जरूरत?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। जलवायु संकट के कारण मौसम के चलन को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के मद्देनजर भारत ने मौसम की समझ को और ज्यादा सार्थक बनाने तथा नेटवर्क के अवलोकन में विस्तार, मॉडलिंग को बेहतर बनाने और एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) व 'मशीन लर्निंग' के माध्यम से पूर्वानुमान लगाने की दिशा में 'मिशन मौसम' के साथ एक बड़ा कदम उठाया है। इस मिशन के तहत कृत्रिम रूप से बादल विकसित करने के लिए प्रयोगशाला बनाना, रडार की संख्या में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करना तथा नये उपग्रह, सुपर कंप्यूटर और बहुत कुछ नयी चीजें जोड़ना शामिल होगा।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक, वायुमंडल की प्रक्रियाओं की जटिलता और वर्तमान अवलोकन तथा मॉडल रेजोल्यूशन की सीमाओं के कारण उष्णकटिबंधीय मौसम का पूर्वानुमान चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अवलोकन डेटा पर्याप्त नहीं हैं और संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान (एनडब्ल्यूपी) मॉडल का क्षैतिज रेजोल्यूशन भारत में छोटे पैमाने की मौसम घटनाओं का सटीक पूर्वानुमान लगाना मुश्किल बनाता है। साथ ही जलवायु परिवर्तन, वातावरण को और अधिक अव्यवस्थित बना रहा है, जिसके परिणामस्वरूप अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा और स्थानीय स्तर पर सूखा पड़ रहा है। इतना ही नहीं कुछ स्थान बाढ़ और सूखे की एक साथ चुनौती का सामना कर रहे हैं। बादल फटना, आंधी, बिजली गिरना और तूफान भारत में सबसे कम समझी जाने वाली मौसमी घटनाओं में से हैं। मंत्रालय के मुताबिक, इस जटिल स्थिति को समझने के लिए बादलों के भीतर और बाहर, सतह पर, ऊपरी वायुमंडल में, महासागरों के ऊपर और ध्रुवीय क्षेत्रों में होने वाली भौतिक प्रक्रियाओं के बारे में गहन ज्ञान की आवश्यकता होती है।

मंत्रालय ने बताया कि इसके लिए पृथ्वी की गतिशील प्रणालियों की प्रभावी निगरानी के लिए बेहतर स्थानिक और वर्टिकल रेजोल्यूश के साथ जमीनी स्तर पर तथा पृथ्वी प्रणाली में उच्च आवृत्ति अवलोकन की आवश्यकता है। इसके अलावा पंचायत स्तर पर पूर्वानुमान लगाने के लिए एनडब्ल्यूपी मॉडल के क्षैतिज रेजोल्यूशन को 12 किलोमीटर से बढ़ाकर छह किलोमीटर करना होगा।

केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम. रविचंद्रन ने कहा कि यह पांच वर्षीय मिशन दो चरणों में लागू किया जाएगा। पहला चरण मार्च 2026 तक जारी रहेगा और इसमें अवलोकन नेटवर्क के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इसमें लगभग 70 डॉपलर रडार, उच्च दर्जे के कंप्यूटर और 10 विंड प्रोफाइलर तथा 10 रेडियोमीटर लगाना शामिल है। दूसरे चरण में अवलोकन क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए उपग्रहों और विमानों को जोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मिशन मौसम का उद्देश्य लघु से मध्यम अवधि के मौसम पूर्वानुमान की सटीकता में पांच से 10 प्रतिशत तक सुधार करना तथा सभी प्रमुख महानगरों में वायु गुणवत्ता की भविष्यवाणी में 10 प्रतिशत तक सुधार करना है।

अंतर-धार्मिक संवाद करें : पोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर। पोप फ्रांसिस ने शुक्रवार को सिंगापुर के युवाओं से कहा कि अंतर-धार्मिक संवाद के लिए साहस की जरूरत होती है क्योंकि इसका मतलब खुद को आलोचना का सामना करने के लिए तैयार रखना है। पोप ने सिंगापुर की अपनी यात्रा के अंतिम दिन कैथोलिक जूनियर कॉलेज के युवाओं के साथ एक अंतर-धार्मिक बैठक के दौरान कहा, क्या आलोचना करने का आपमें साहस है और क्या इसके साथ-साथ आप अपनी आलोचना किये जाने की अनुमति देंगे? पोप ने कहा कि युवाओं के बीच संवाद समुदाय में व्यापक स्तर पर नागरिकों के बीच बातचीत को बढ़ावा देगा।

उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि आलोचना रचनात्मक या व्यवधान डालने वाली हो सकती है और युवाओं को आलोचना करने के

दौरान विभिन्न धर्मों के लोगों का सम्मान करना चाहिए। चैनल न्यूज एशिया ने पोप को उद्धृत करते हुए कहा, आपके पास यह साहस हो सकता है और इसका उपयोग उन चीजों के लिए कर सकते हैं जो वास्तव में आपकी मदद नहीं करती हैं, या आप उस साहस का उपयोग आगे बढ़ने और संवाद करने के लिए कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से साहसी और रचनात्मक बनने तथा अंतर-धार्मिक सौहार्द के विषय पर बातचीत में सक्रिय भागीदारी करने के लिए अपने सुविधानुकूल माहौल से बाहर निकलने की अपील की। पोप ने पादरियों के ठहाकों के बीच कहा, एक युवा व्यक्ति जो अपने सुविधानुकूल माहौल में रहता है और सुविधापूर्ण जीवन जीना चाहता है वह मोटा हो जाता है। उन्होंने कहा, मोटापे से ग्रसित न हों, बल्कि अपने मस्तिष्क में नये-नये विचार आने दें। और इसके लिए मैं कहूंगा, जोखिम उठाइए। बाहर निकलिए। डरिये नहीं। पोप की तीन एशियाई देशों की यात्रा के अंतिम चरण में, शुक्रवार सुबह आयोजित कार्यक्रम में 50 स्कूलों और अंतर-धार्मिक एवं धार्मिक संगठनों के 600 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।

'अर्धनारी' गणेश की मूर्ति बना कर मुंबई की कलाकार ने महिला सुरक्षा पर दिया जोर

मुंबई। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को ध्यान में रखते हुए एक कलाकार ने मुंबई में गणेश उत्सव के दौरान भगवान गणेश की 'अर्धनारी' स्वरूप में मूर्ति बनाई है ताकि महिला एवं पुरुष के बीच सामंजस्य की आवश्यकता पर जोर दिया जा सके। रिंटू राठौड़ ने चॉकलेट से गणेश की मूर्ति बनाई है, जिसमें उनकी विशेषज्ञता है। राठौड़ ने बताया कि उन्होंने अपने सांताक्रूज स्थित घर में स्थापित 'अर्धनारी' स्वरूप की 25 इंच ऊंची मूर्ति बनाने के लिए 20 किलोग्राम 'डार्क चॉकलेट' और 10 किलोग्राम सफेद चॉकलेट का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, गणपति का यह स्वरूप हिंदू धर्म में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह इस विचार पर जोर देता है कि पुरुष और महिला एक दूसरे के लिए आवश्यक और पूरक हैं, जो ब्रह्मांड में एकता और संतुलन को बढ़ावा देते हैं। राठौड़ ने बताया कि महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के गोरेगांव में 800 वर्ष पुराने मंदिर में 12 भुजाओं वाले गणेश भगवान की 'अर्धनारी' मूर्ति स्थापित है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों खासकर हाल ही में कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ हुई घटना के मद्देनजर, पुरुष और महिला के बीच संतुलन तथा सामंजस्य की आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है।

फिल्म 'लव सितारा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

शोभिता धूलिपाला और राजीव सिद्धार्थ अभिनीत फिल्म लव सितारा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। वंदना कटारिया के निर्देशन में बनी फिल्म 'लव सितारा' में शोभिता धूलिपाला और राजीव सिद्धार्थ में मुख्य भूमिका निभायी है। इस फिल्म का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।इस फिल्म की कहानी तारा (शोभिता धूलिपाला) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक स्वतंत्र इंटीरियर डिजाइनर हैं। दूसरी ओर अर्जुन (सिद्धार्थ) एक भावुक शेफ हैं और अंतरराष्ट्रीय सफलता के शिखर पर पहुंच चुके हैं। कहानी तब और सघन हो जाती है जब अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण तारा और अर्जुन दो पूरी तरह से अलग लोगों के बीच जल्दबाजी में शादी का प्रस्ताव आता है। शोभिता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म लव सितारा का ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, 'इस मधुर और विनम्र पारिवारिक ड्रामा को प्रस्तुत करते हुए हमने केरल में कोविड लॉकडाउन के दौरान कुछ बहुत ही अनोखी चुनौतियों का सामना करते हुए शूट किया। मेरे लिए सितारा का किरदार अनोखा और खास रहा है।' रोनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित 'लव सितारा' को प्यार, दिल टूटने और आत्म-खोज की कहानी के रूप में वर्णित किया गया है। इस फिल्म में शोभिता धूलिपाला और राजीव सिद्धार्थ के अलावा सोनाली कुलकर्णी की भी अहम भूमिका है। फिल्म 'लव सितारा' 27 सितंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी।

फिल्म 'जो तेरा है वो मेरा है' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

परेश रावल, अमित सियाल और सोनाली कुलकर्णी अभिनीत कॉमेडी-ड्रामा फिल्म जो तेरा है वो मेरा है का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जियो स्टूडियोज की आने वाली फिल्म कॉमेडी-ड्रामा जो तेरा मेरा वो मेरा है में परेश रावल, अमित सियाल, सोनाली कुलकर्णी और सोनाली सहगल की मुख्य भूमिका है।इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म का ट्रेलर अब रिलीज़ हो गया है। ट्रेलर में चाय बेचने वाले से महत्वाकांक्षी ठग बने मितेश मेघानी (अमित सियाल) के जीवन, उसकी गलतफहमियों और मजेदार कारनामों की झलक दिखती है। मितेश एक बूढ़े व्यक्ति (परेश रावल) को धोखा देकर अपने परिवार का प्यार पाने की कोशिश करता है। जब बूढ़ा व्यक्ति मरने से इनकार करता है, तो उसकी गलत तरीके से बनाई गई रिवर्स मॉर्गेज योजना का खुलासा होता है और मितेश के ठगी करने के तरीके उसे पकड़ लेते हैं।

इस कॉमेडी एंटरटेनर पर काम करने के बारे में परेश रावल ने कहा, जो तेरा है वो मेरा है एक कॉमेडी-ड्रामा है, जिसमें हास्य और प्रासंगिकता का खूबसूरती से मिश्रण किया गया है। स्क्रिप्ट मजेदार थी और इस कहानी को जीवंत करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहा है। कॉमेडी, हालांकि अक्सर हल्की-फुल्की मानी जाती है, लेकिन इसके लिए बहुत कौशल और समर्पण की आवश्यकता होती है और इस फिल्म पर काम करना इसका एक सच्चा प्रमाण रहा है। अजय राय के नेतृत्व वाली शानदार टीम के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा। अमित सियाल, सोनाली कुलकर्णी और बाकी प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ काम करना वाकई बहुत मजेदार रहा है- सेट पर हर दिन हंसी-मजाक और मस्ती से भरा रहा। जियो स्टूडियोज ने ऐसी शानदार स्क्रिप्ट चुनी हैं, जिनका आनंद आप अब जियो सिनेमा पर अपने घर बैठे ले सकते हैं। मैं दर्शकों के द्वारा हमारी इस मनोरंजक कहानी का लुफ़्त उठाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

अमित सियाल ने अपनी भूमिका और परेश रावल के साथ अपनी दोस्ती के बारे में कहा कि, मैं जो तेरा है वो मेरा है का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं, यह फिल्म कॉमेडी और हल्के-फुल्के पलों से भरी हुई है। परेश रावल सर के साथ काम करना, मेरे लिए सीखने का एक अविश्वसनीय अनुभव था जो किसी मास्टरक्लास से कम नहीं हैं। इस तरह की बुद्धि और चतुराई के साथ एक किरदार निभाना एक धमाका था। तीखे हास्य और चतुर अंतर्दृष्टि के बीच संतुलन बनाने की चुनौती ने इस भूमिका को काफी रोमांचक बना दिया है। जियो सिनेमा पर मेरी पिछली फिल्म, टिकडम को मिले जबरदस्त प्यार के बाद, मैं इस फिल्म को दर्शकों के साथ सांझा करने के लिए उत्साहित हूं। मैं यह देखकर रोमांचित हूं कि जियो स्टूडियोज इतनी विविध प्रकार की फिल्में बना रहा है जिन्हें परिवार एक साथ देख और आनंद ले सकते हैं। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, फिल्म जो तेरा है वो मेरा है का निर्माण ज्योति देशपांडे और अजय राय ने किया है और राज त्रिवेदी ने इसका निर्देशन किया है।

कंगना ने शेयर की 'इमरजेंसी' की शानदार बीटीएस रील

मुंबई/एजेन्सी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री और फिल्म निर्माता कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी से पर्दे के पीछे की झलक साझा की। पोस्ट में, कंगना ने पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के वास्तविक जीवन के पात्रों और उनके द्वारा क्रमशः स्क्रीन पर निभाए गए किरदारों के बीच अनोखी समानता को उजागर किया। अपनी पोस्ट में, कैप्शन दिया, वास्तविकता की ईमानदारी से अधिक सराहनीय कुछ भी नहीं है... टीम इमरजेंसी। फिल्म इमरजेंसी भारत के सबसे विवादास्पद राजनीतिक काल में से एक - 1975 से 1977 की इमरजेंसी - पर गहराई से चर्चा करती है, जिसे इंदिरा गांधी ने लगाया था। 22 महीने की इस अवधि को अक्सर भारतीय लोकतंत्र के सबसे काले अध्यायों में से एक माना जाता है, जिसमें नागरिक स्वतंत्रता का निलंबन, प्रेस की सेंसरशिप और व्यापक राजनीतिक दमन शामिल है। कंगना रनौत द्वारा निर्देशित और अभिनीत, इमरजेंसी

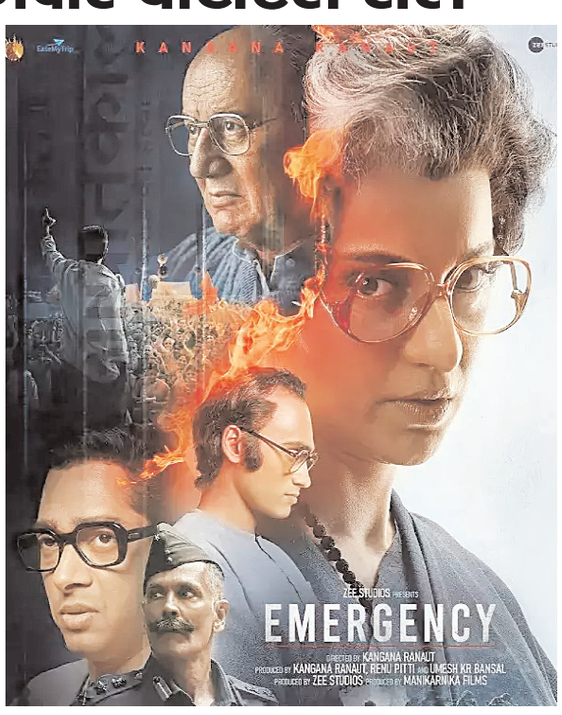

में अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक जैसे शानदार कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत संचित बलहारा और जी.वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है, जबकि पटकथा और संवाद रितेश शाह ने लिखे हैं।

1 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म 'भूल भुलैया 3'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की आने वाली फिल्म भूल भुलैया 3, 01 नवंबर को रिलीज होगी। 'भूल भुलैया' फ्रेंचाइजी की दो फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। वर्ष 2007 में प्रदर्शित प्रियदर्शन निर्देशित फिल्म 'भूल भुलैया' में अक्षय कुमार, विद्या बालन,शाइनी आहूजा, राजपाल यादव और परेश रावल जैसे कलाकार नजर आए थे। इसके बाद 'भूल भुलैया 2' वर्ष 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार को कार्तिक आर्यन ने रिप्लेस कर दिया था। वहीं इसका निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के अलावा, कियारा आडवाणी ने अहम भूमिका निभायी। अब भूल भुलैया 3 बनायी जा रही है।इस फिल्म में कार्तिक आर्यन, तृप्ती डिमरी, माधुरी दीक्षित और विद्या बालन लीड रोल में हैं। निर्माता भूषण कुमार ने अनाउंसमेंट की है कि फिल्म भूल भुलैया 3 इसी साल दीवाली के मौके पर 01 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भूषण कुमार ने बताया,फिल्म भूल भुलैया 3, 01 नवंबर को ही रिलीज होगी। यह पक्की बात है। कुछ समय पहले ही कार्तिक आर्यन ने फिल्म की रिलीज डेट का हिंट दिया था। उन्होंने फिल्म की शूटिंग खत्म हो जाने के बाद एक वीडियो शेयर किया था और लिखा था- इस दिवाली मिलते हैं।

'इस इश्क का रब रखा' में फ़हमान ख़ान और सोनाक्षी बत्रा निभाएंगे लीड किरदार

मुंबई/एजेन्सी

स्टार प्लस के नए शो इस इश्क का रब रखा में फ़हमान ख़ान और सोनाक्षी बत्रा लीड किरदार में नजर आयेंगे। स्टार प्लस अपने दर्शकों को एक नए शो इस इश्क का रब रखा से सरप्राइज करने के लिए तैयार है। इस शो में फहमान खान रणबीर और सोनाक्षी बत्रा मेघला की भूमिका में हैं। इस इश्क का रब रखा शो में एक अनोखी प्रेम कहानी दिखाई जाएगी, जहां मेघला और रणबीर, दो अलग - अलग संस्कृतियों और परंपराओं से जुड़े लोग, एक दूसरे के साथ जुड़ेंगे और अपनी एक अलग दुनिया बनाएंगे। उनके संस्कृतिक मतभेदों के टकराव को देखना दर्शकों को आकर्षक लगेगा और उनमें कहानी के लिए गहरी दिलचस्पी पैदा करेगा। यह देखने के लिए बने रहें कि उनकी लव स्टोरी कैसे आगे बढ़ती है और वे अपने प्यार को कैसे मजबूत बनाते हैं। 'इस इश्क का रब रखा' जल्द ही स्टार प्लस पर प्रसारित होने वाला है।

शरवरी की सफलता देखकर खुश हैं कबीर खान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार कबीर खान, अभिनेत्री शरवरी की सफलता देखकर बेहद खुश हैं। प्रतिभाशाली बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी ने वर्ष 2024 को पूरी तरह से अपना बना लिया है, और वह इंडस्ट्री की सबसे चमकदार युवा अभिनेत्रियों में से एक बनकर उभरी हैं। शरवरी ने कबीर खान की वेब सीरीज़ 'द फॉरगॉटन आर्मी' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। कबीर खान, जिन्होंने शरवरी को स्क्रीन के लिए सबसे पहले खोजा था, बॉलीवुड में उनकी उभरती हुई स्टार की सफलता से बेहद रोमांचित हैं। कबीर खान ने कहा,जब मैंने 'द फॉरगॉटन आर्मी' के लिए शरवरी का ऑडिशन लिया, तो मुझे खुशी हुई कि मैंने एक दुर्लभ प्रतिभा की खोज की है, जो आने वाले वर्षों में अविश्वसनीय प्रदर्शन करेगी। वह सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने काम किया है। उनकी उपस्थिति और चार्म स्क्रीन पर चमकते हैं,यह एक उपहार है जो बहुत कम एक्टर्स के पास होता है, और जिनके पास होता है, वे सिनेमा पर गहरा प्रभाव छोड़ते हैं।एक मेंटर के रूप में, मुझे उसकी यात्रा पर गर्व है। उसने पहले ही अपनी प्रतिभा से पूरी इंडस्ट्री का ध्यान खींच लिया है। उसे अभी भी बहुत कुछ हासिल करना है, लेकिन जिस समर्पण, अनुशासन और दृढ़ता से वह अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रही है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। वह जानती है कि उसने केवल अपने टैलेंट और मेहनत के दम पर इस इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है, और इसी कारण वह हर फिल्म के लिए अतिरिक्त मेहनत करती है। कबीर खान का मानना है कि शरवरी अपने अद्वितीय अभिनय से बॉलीवुड में एक स्थायी छाप छोड़ेंगी। उन्होंने कहा,शरवरी को अपने अभिनय के दम पर ही इस प्रतियोगी इंडस्ट्री में ऊंचाइयों तक पहुंचने का भरोसा है। इसके अलावा, शरवरी में वह साहस है कि वह कम यात्रा किए गए रास्ते पर चलती है और ऐसे प्रोजेक्ट्स चुनती है, जिन्हें करने की हिम्मत बहुत कम लोग करेंगे। यही उसे एक रोमांचक अभिनेत्री बनाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शनिवार | 14-09-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में एवं साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि जहाँ जीवन का एक पल भी निश्चित नहीं, वहाँ पर मनुष्य कौन सी समृद्धि की तैयारी में व्यस्त है मालुम नहीं।

जैन रिसोर्ट का भूमिपूजन एवं खनन विधि कार्यक्रम आज

गोड़वाड़ भवन जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में बनेगा यह रिसोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के उपनगर देवनहल्ली के नंदी हिल्स के समीप 7 एकड़ के विशाल भूखंड पर प्रस्तावित जैन रिसोर्ट का भूमिपूजन एवं खनन विधान कार्यक्रम आज शनिवार सुबह 11 बजे सम्पन्न होगा। गोडवाड़ भवन जैन ट्रस्ट के महामंत्री विक्रमकुमार करबावाला ने बताया कि संपूर्ण जैन समाज के सहयोग से बनने जा रहे इस रिसोर्ट के भूमि पूजन के लाभार्थी सादड़ी राणकपुर निवासी पवनबेन फूलचंद करबावाला परिवार एवं खनन विधान के लाभार्थी गढ़ सिवाना निवासी सिद्धिकादेवी ललितकुमार कानूंगा परिवार हैं।

प्रोजेक्ट चेयरमैन निशांत रांका ने बताया कि प्रस्तावित रिसोर्ट में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 200 कमरों के चार ब्लॉक एवं 20 विला सहित जैन मंदिर, रिसेप्शन हॉल, डायनिंग हॉल, तीन बड़े लॉन, स्विमिंग पूल सहित खेलकूद आदि की सुविधा रहेगी। इस रिसोर्ट के निर्माण को लेकर जैन समाज सहित अन्य जैनेतर समाज में भी उत्साह है। ज्ञातव्य है कि गोड़वाड़ जैन ट्रस्ट द्वारा लालबाग रोड पर संचालित गोड़वाड़ भवन बेंगलूरु के अनेक सभा संस्थाओं के लिए विभिन्न गतिविधियों का प्रमुख केन्द्र है।

क्राइस्ट जूनियर कॉलेज में विभिन्न नाटकों का हुआ मंचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के क्राइस्ट जूनियर कॉलेज के अंग्रेजी विभाग द्वारा 'पेज टू स्टेज' अंतर्राकालेजीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अंग्रेजी पीयू पाठ्यपुस्तकों के साहित्य में चर्चा की गई तथा विविध कहानियों और गतिशील पात्रों का जश्नमनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत क्राइस्ट जूनियर कॉलेज की अंग्रेजी विभाग की प्रमुख सुश्री विद्या बालाकृष्णन के स्वागत भाषण से हुई।

निर्णायक की भूमिका में सुनीता डैनियल और अनुपमा सुब्रमण्यम शामिल थीं। इस कार्यक्रम में 14 विभिन्न कॉलेजों से 16 प्रस्तुतियाँ थीं, जिनमें से प्रत्येक ने कथाओं को नई दृष्टि से प्रस्तुत किया और अभिनव रूपांतरण दिखाए। कार्यक्रम में विजेता सेंट क्लैरट पीयू कॉलेज ने 'ओरु मनुष्य' की प्रस्तुति को 10 हजार रुपए का नकद पुरस्कार मिला। उपविजेता सेंट फ्रांसिस कंपोजिट पीयू कॉलेज रहे, जिन्होंन'टू जेंटलमैन ऑफ वेरोना' प्रदर्शित कर 5 हजार रुपए जीते। तीसरा पुरस्कार जैन कॉलेज जयनगर को 'टू डियर' की प्रस्तुति के लिए मिला। क्राइस्ट पीयू कॉलेज के अभय आदित्य जयश्री, जिन्होंने 'दि वोटर' में राजनेता गरुड़ा की भूमिका निभाई, जिन्हें 3,000 रुपए का नकद पुरस्कार मिला।

बाबा रामदेव की शोभायात्रा में दिखी राजस्थानी संस्कृति की झलक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के रामदेव भक्त मंडल बेंगलूरु पश्चिम अग्रहारा दासरहल्ली की ओर से 14वें वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में शुक्रवार को वरघोड़ा निकाला गया। वरघोड़ा के लिए पैदल यात्रा संघ सुबह 7बजे हनुमान मंदिर दासरहल्ली से प्रारम्भ हुआ जो विभिन्न मार्गो से होते हुए रामदेव मंदिर में पहुंचा, जहां श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की गई उसके बाद महाआरती की गई। वरघोड़े में सबसे आगे बाबा का ध्वज एकता ध्वज का परिचय दे रहा था। रामदेव भक्त मंडल के सदस्य धर्म ध्वज के साथ बाबा रामदेव के जयकारे लगाते चल रहे थे। वरघोड़े में राजस्थान की संस्कृति की झलक दिखाई दे रही थी।

शोभायात्रा में बाबा रामदेव की झांकी के आगे ढोल नृत्य करते अनेक क्षेत्रों के गैर मंडलों ने भाग लिया। वरघोड़े में गैर मंडलों के सदस्यों ने हाथोह में रंग-बिरंगी छतरिया एवं कलर पेपर से सुसज्जित डांडियों के साथ गैर नृत्य कर रहे सभी के लिए आकर्षण का केन्द्र रहे। वरघोड़े रथ में सवार शीतल संत राजाराम व गौ ऋषि संत प्रकाशदास महाराज का सभी श्रद्धालु अभिवादन कर रहे थे। ढोल की थाप पर महिलाएं बाबा के गुणों का बखान किया। इस अवसर पर संस्था के सरंक्षक इन्द्रलाल सोलंकी, राजेश पारीक, सोहनसिंह राजपुरोहित, रमेशचंद चावत, अध्यक्ष चेतन सीरवी, उपाध्यक्ष पर्वतसिंह राजपुरोहित, सचिव पंकज शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश सीरवी, चेतन बागरेचा, संगठन मंत्री अनिलकुमार सीरवी, रामनिवास जांगिड, महेंद्रसिंह राजपुरोहित बन्नूर एवं महिला मंडल,रामदेव भक्त मंडल कार्यकारिणी सदस्य आदि मौजूद थे।

पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक सरकार शिक्षा विभाग द्वारा सुंकदकट्टे क्लस्टर के सरकारी स्कूलों एवं सरकारी अनुदानित स्कूलों के लिए गंगोत्री इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के सभागार में प्रतिभा कारंजी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में 30 से भी ज्यादा विद्यालयों के बच्चों ने हिस्सा लिया तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक स्पर्धाओं के विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया।

साधना से ही आत्मा से परमात्मा बनना संभव : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी ने कहा कि परमात्मा ने तो साधना करके अपनी आत्मा को तार लिया लेकिन हमें भी ऐसी ही साधना करके अपनी आत्मा को परमात्मा बनाना है। तपस्या आराधना को हमें जीवन पर्यन्त धारण करना है। खान पान के साथ हम जहां भी जाएं वहां हमारी जैनत्व की एक अलग ही पहचान होनी चाहिए। चार भूमियों में पूरा जगत समाहित है। पहली नरक गति की भूमि जहां इतनी वेदना है जहां धर्म का बीज बोना नामुमकिन है। दूसरी तिर्यंच गति की भूमि जहां भी धर्म साधना नहीं हो सकती है क्योंकि वहां रहने की भी जगह समुचित नहीं है। तीसरी देवलोक गति की भूमि जो कि आरस यानी कांच के जैसी है जहां भी धर्माराधना नहीं हो सकती। सिर्फ और सिर्फ मनुष्य गति की भूमि ही उपजाऊ है जहां धर्माराधना की खेती की जा सकती है। हमें आर्य देश में और जैन कुल में जन्म मिला है जहां हमें पुण्य, प्रभु की और प्रतिज्ञा की प्यास को बुझाना है। पुण्य की प्रकृति में मन में खुशी ही मिलती है। दान शील, तप और भाव से हम पुण्य उपार्जन कर सकते हैं जिसे सतत चालू रखना है।

खरतरगच्छ संघ का क्षमापना व स्नेह मिलन कार्यक्रम कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में खरतरगच्छ संघ द्वारा सामूहिक क्षमापना सह स्नेहमिलन का आयोजन मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व साध्वी प्रियस्वर्णजंनाश्री के सान्निध्य में रविवार को संभवनाथ भवन में मनाया जाएगा।

सुबह 8.45 बजे शोभायात्रा, संभवनाथ भवन में सुबह 9.15 बजे गुरुवंदन आदि कार्यक्रम होंगे। क्षमापना कार्यक्रम के लाभार्थी कुशल फैशन्स के चुन्नीलाल तनसुखराज जवेरीलाल राजेन्द्रकुमार गुलेच्छा परिवार वाले हैं।

'साधना शुद्धि के लिए सामायिक जरुरी'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में प्रवचन करते हुए विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि जिस प्रकार किसान जमीन में बीज बोने से पहले खेत की विशुद्धि करता है, उसी प्रकार साधक की आवश्यक आराधना में प्रथम सामायिक भी क्षेत्र विशुद्धि के समान ही मानी गई है। साधक चारित्र आत्मा द्वारा पैदल विहार तथा नैसर्गिक साधनों के सिवाय अद्यतन कृत्रिम साधनों की जीवन में प्रयोगिता का अभाव ही रहता है। एकेन्द्रियादि जीवों की सहजता से दया भाव का पालन-निर्वाह होता रहता है।

इन्सानों में जितना वैर का जहर भर जाता है। शायद नारकी में भी इतना वैर का जहर नहीं होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुभकामना :

कर्नाटक राज्य के कपडा मंत्री शिवानंद पाटिल ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के डीआरयूसीसी सदस्य बनने पर अश्विनी सेमलानी को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर गौतम जैन भी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गणेश उत्सव पर अन्नदान

बेंगलूरु के मामुलपेट व्यापारी एसोसिएशन के सदस्यों ने मामुलपेट बेली मठ मंदिर के सामने गणेश उत्सव का आयोजन किया जिसमें गणेश पूजा के साथ सैकड़ों लोगों के लिए अन्नदान का भी आयोजन किया गया। इस अन्नदान कार्यक्रम में एसोसिएशन के आर. सांभा सहित मामुलपेट के अनेक व्यापारियों ने गणेश उत्सव अन्नदान कार्यक्रम में सेवा दी।

तेजाजी महाराज के सिद्धांतों से प्रेरणा लेकर जीवन में अनुसरण करें : जोगाराम पटेल

जोधपुर। संसदीय कार्य विभाग, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को शिव गांव, लूणावास भाकर में आयोजित 'तेजा दशमी' महोत्सव के अवसर पर लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज के पवित्र दर्शन किए और मेले में उमड़े हजारों भक्तों के साथ श्रद्धा और आस्था से परिपूर्ण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मंत्री पटेल ने इस अवसर पर वीर तेजाजी महाराज के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हुए कहा कि तेजाजी महाराज के जीवन और उनके सिद्धांत हमें सच्चाई, न्याय और परोपकार का मार्ग दिखाते हैं। पटेल ने कहा कि तेजाजी महाराज की वीरता, बलिदान और सच्चाई की कहानी सदियों से लोगों के लिए प्रेरणादायक रही है।

आनन्दमय जीवन के लिए मन की शक्ति को जागृत करना जरुरी : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में एवं साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि जहाँ जीवन का एक पल भी निश्चित नहीं, वहाँ पर मनुष्य कौन सी समृद्धि की तैयारी में व्यस्त है मालुम नहीं। मौह- आसक्ति के वश मानव अपने आत्मबल की महान शक्ति से बेभान बना हुआ है। आज के मनुष्य को आत्मसमृद्धि की चिन्ता नहीं है। वह भौतिक समृद्धि में ही उलझा हुआ है। यूं देखें तो मनुष्य की सारी सतर्कता पुरुषार्थ और भागा दौडी भौतिक समृद्धि-साधनों के एकत्रण में ही लगी हुई हैं। आत्मबोध का प्रश्न आता है तो मनुष्य की मूर्च्छा और गहरी हो जाती है। मौत की निश्चितता को हमने जाना तो अवश्य है मगर समझा नहीं। घर से मरघट तक के अर्थहीन सफर में हमने पूरा जीवन तो बिता दिया। अपने जीवन की आनन्दमय बनाने के लिए मन की शक्ति को जागृत करना होगा। स्वयं पर भरोसा और स्वयं समार को ही पुरुषार्थ करना होगा। उन्होंने तपाराधकों के सुदीर्घ तप की भी मंगल अनुमोदना की।

प्रारंभ में साध्वी स्नेहप्रभाजी ने कहा कि मनुष्य का सबसे बड़ा व सबसे प्रबल शत्रु होता है उसके भीतर छिपा हुआ आलस्य-प्रमाद। इस संसार में जो मनुष्य आलस्य व प्रमाद को छोड कर पुरुषार्थ करता है वही सफलता की मंजिल को प्राप्त कर सकता है। हमारा यह जीवन असंस्कृत है, इसलिए इस जीवन में जागृत होना परम आवश्यक है। महापुरुषों ने तो प्रमाद व आलस को 'मृत्यु पद 'के समान बताया है। उन्होंने पांच प्रकार के प्रमाद मद, विषय, कषाय, निद्रा और विकथा इन पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रमाद का सेवन जीव के मुक्ति में बाधक हैं। जो व्यक्ति उत्साही है, वीर्यवान व स्फूर्तिवान है वह प्रमाद का त्याग कर संयमित जीवन जीते हुए वह साधूक आत्मा अपनी सब बाधाओं पर और कार्य अवरोधक शत्रुओं पर विजय प्राप्त करता है।

क्योंकि जो जागत है वो पावत है, जो सोवत है सो खोवत हैं। शनिवार को प्रात: 9.15 बजे स जय-जयमल-आत्म-शिव जन्म जयंती समारोह के द्विदिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम की शुरुआत होगी। संचालन सहमंत्री रमेशचंद गुंदेचा ने किया।

सरकारी स्कूल में 'क्रोधी नहीं-सहनशील बनो' कार्यशाला हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत बच्चों में सद् संस्कारों के सिंचन हेतु संस्कारशाला के अंतर्गत 'क्रोधी नहीं सहनशील बने' विषय पर सरकारी मॉडल प्राइमरी स्कूल कामाक्षीपल्या एवं अतिकुप्पे में कार्यशाला का आयोजन किया। कामाक्षीपल्या स्थित स्कूल में मुख्य वक्ता उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने तथा अतिगुप्पे स्कूल में सपना मांडोत ने बच्चों को मेडिटेशन एवं यौगिक क्रियाएं करवाई। उन्होंने कहा कि हमें क्रोध नहीं करना चाहिए। जब भी क्रोध आए तो चुप रह कर उसे सहने का प्रयास करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों क्रोध पर नियंत्रण रखने के टिप्स भी बताएं। कार्यशाला में सहमंत्री ललिता डागा, प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़, कार्यकारी सदस्य मोनिका बांठिया, कविता बाफना, निशा रांका आदि मौजूद रही।

सिद्धत्व पाने के लिए पुरुषार्थ जरुरी : राजेशमुनि

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत भवन में विराजित राजेशमुनिजी ने अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि हमें भी अपने जीवन का लक्ष्य सिद्धत्व पाने हेतु पुरुषार्थी बने तथा सभी सुख को पाकर पापों से छुटकारा पाते हुए सिद्ध परमात्मा सम बन जाएं।हमारे आयु कर्म के कारण ही जन्म-मरण होता है। जिन लक्षणों से हमारा मोक्ष नजदीक होता जाए उसे आध्यात्मिक क्रिया कहते है। हमें अपनी बाह्यीय बुद्धि से ज्यादा आंतरिक शुद्धि की ओर बढ़ना होगा। हमें लघु बनकर अर्थात सरल बनकर उत्तम सोच के साथ हमें मन, वचन, काया, आहार और धन सभी शुद्ध रखते हुए ऐसा नैतिक जीवन जीना होगा और अपने असली स्वरुप को पहचानना होगा ताकि हमारा आत्मा शुद्ध बने। आत्मा को शुद्ध बनाने हेतु हमारी आध्यात्मिक अर्थात आन्तरिक शुद्धि का होना अत्यन्त आवश्यक है। इस अवसर पर ऋषभ मुनिजी ने विचार व्यक्त किए। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com